दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 245/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, शुक्रवार 21 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

अनुराग जैन और अलका उपाध्याय के विभाग बदले गए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई आईएएस अधिकारियों के प्रभार में बदलाव किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्य प्रदेश केडर के 89 बैच के अधिकारी अनुराग जैन अब अलका उपाध्याय के स्थान पर रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवे मंत्रालय में सचिव बनाए गए हैं। अलका उपाध्याय (1990) अब एनिमल हसबेंडरी और डेयरी विभाग की सचिव बनाई गई है।

अनुराग जैन इसके पहले कॉमर्स और इंडस्ट्री विभाग में सचिव थे। केरल कैडर के 1989 बैच के अधिकारी राजेश कुमार सिंह, जो एनिमल हसबेंडरी और डेयरी विभाग के सचिव थे, को अब अनुराग जैन के स्थान पर इंडस्ट्री और इंटरनल ट्रेड विभाग का सचिव बनाया गया है।

पश्चिमी बंगाल कैडर के 1988 बैच के अधिकारी अंजलि भंवरा को सोशल जस्टिस और एंपावरमेंट विभाग से हटाकर अब नेशनल कमिशन फॉर माइनारटीज का सचिव बनाया गया है। झारखंड कैडर के 90 बैच के अधिकारी मुखमीत सिंह भाटिया को नेशनल अथॉरिटी केमिकल वेपंस कन्वेंशन का चेयर पर्सन बनाया गया है। 1990 बैच के उड़ीसा कैडर के अधिकारी सौरभ गर्ग को सोशल जस्टिस एंपावरमेंट विभाग का सचिव बनाया गया है।

ट्रेन टिकट की अवैध बिक्री पर सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, पांच राज्यों के 12 स्थानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के आरक्षित बर्थ के ई-टिकटों की अवैध बिक्री के मामलों पर लगाम लगाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई ने रेलवे से जुड़ी संस्था आईआरसीटीसी की वेबसाइट के माध्यम से भारतीय रेलवे के रिजर्व्ड सीट

के ई-टिकटों की अवैध बिक्री से संबंधित मामले की जारी जांच में पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 12 स्थानों पर तलाशी ली।

इन राज्यों में की छापेमारी सीबीआई ने आईआरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से भारतीय रेलवे के आरक्षित बर्थ ई-टिकटों की अवैध बिक्री से संबंधित मामले की जारी जांच में उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश एवं दिल्ली में 12 स्थानों पर तलाशी ली है. तलाशी के दौरान, अवैध सॉफ्टवेयर वाले डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, आपत्तिजनक दस्तावेज एवं अवैध सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पहले बुक किए गए यात्रियों के टिकट सहित अन्य विवरण बरामद किए गए.

अवैध सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते थे ये फर्जी एजेंट

जांच के दौरान, यह पाया गया कि एजेंट कथित रूप से टिकट खरीदने के लिए मैन्युअल प्रविष्टि प्रक्रिया को दरकिनार करने हेतु अवैध सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे थे, जो यात्रियों को प्रीमियम दरों पर बेचे जाते थे. सीबीआई ने इस अवैध गतिविधि में संलिप्त एजेंटों की पहचान की तथा एक साथ तलाशी ली. विभिन्न एजेंटों को अवैध सॉफ्टवेयर बेचने एवं वितरित करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की भी पहचान की गई. इस मामलें में जांच जारी है।

सिविल सेवा दिवस पर विशेष कार्यक्रम

हमारे पास समय कम है लेकिन सामर्थ्य भरपूर: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है- मैं आज भारत के हर सिविल सेवा अधिकारी से यही कहूंगा कि आप बहुत भाग्यशाली हैं। आपको इस कालखंड में देश की सेवा का अवसर मिला है... हमारे पास समय कम है लेकिन सामर्थ्य भरपूर है,

हमारे लक्ष्य कठिन हैं लेकिन हौसला कम नहीं है, हमें पहाड़ जैसी ऊंचाई भले ही चढ़नी है, लेकिन इरादे आसमान से भी ज्यादा ऊंचे हैं।

पीएम आज 16वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम के समापन सत्र और पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। दिल्ली के विज्ञान भवन में सुबह 11 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को सिविल सेवा दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इस साल का सिविल सेवा दिवस बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं। यह ऐसा समय है जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं। देश को आजादी के अमृतकाल तक लाने के लिए उन अधिकरियों की बड़ी भूमिका रही जो 15-25 साल पहले इस सेवा में आए हैं और अब आजादी के इस अमृतकाल में उन युवा अधिकारियों की भूमिका सबसे बड़ी है जो अगले 15-25 साल इस सेवा में रहने वाले हैं।

सीएम हेल्पलाइन से हो रही ब्लैकमेलिंग: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सीएम हेल्पलाइन में अब सुधार की जरूरत है। कुछ लोग इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। कई बार लोग परेशान करने के लिए जनप्रतिनिधियों, सरपंच की शिकायत करवा देते हैं कि जांच हो जाए। फंसेगा तो फिर उसे ब्लैकमेल करो। शिकायत बंद कराने के लिए ब्लैकमेल करने के लफड़े शुरू हो गए। हम टेक्नोलॉजी से दूर नहीं रह सकते, लेकिन विश्लेषण कर लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री आज सिविल सर्विस डे पर प्रशासन अकादमी भोपाल में हुए कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नसीहत करते हुए कहा कि मैं आईएएस-आईपीएस हूं, 2 मिनट में सही कर दूंगा, इस अहंकार से दूर रहना चाहिए। कहते हैं कि घमंडी का सिर नीचे होता है। यह आज भी 10 प्रतिशत सही है। सर्विस का घमंड आ गया कि हम आईएएस या आईपीएस हैं, तो ये आदमी को चढ़ाने वाला मामला है। हम जनता के सेवक हैं। मुख्यमंत्री है तो जनता की सेवा के लिए हैं। हम सबको अहंकार शून्य होना चाहिए। धूल चढ़े और पसीने की बदबू वाले आदमी को गले लगाने में मुझे आनंद आता है।

मुख्यमंत्री सिविल सेवकों से कहा कि आपका जीवन सिर्फ अपने लिए नहीं अपनों के लिए हो। जनकल्याण सबसे बड़ी प्राथमिकता हो। छोटे-छोटे कार्य में वास्तव में बड़े-बड़े कार्य होते हैं। यही सुशासन है। यह अच्छी बात है कि प्रदेश में आम जन और प्रशासन के बीच कभी फासला नही रहा। यहां अच्छे कार्यों की पहल करने की, कार्य को अपने तरह से रचनात्मक ढंग से करने की भी आदर्श स्थिति है। सीएम ने कहा कि हमारा मूल काम समाज की सेवा है। जो करते हैं नागरिकों के लिए ही हैं। वे आज सिविल सेवा दिवस पर अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपनी टीम को सिविल सेवा दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सिविल सेवा दिवस पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहनदास पाई थे। कार्यक्रम के दौरान सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार ने मुख्यमंत्री शिवराज और मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

उपलब्धियों का इतिहास रचा: बैंस

इस मौके पर मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने कहा कि सिविल सर्विसेज की लंबी परंपरा देश में रही है। विशेष परिस्थितियों में और चुनौतीपूर्ण स्थितियों का हमारी प्रशासनिक व्यवस्था डटकर मुकाबला करती है। श्री बैंस ने कहा कि अपने लंबे कार्यकाल में उन्हें ऐसा अवसर याद नहीं आता जब हमें कोई विशेष दायित्व दिया गया हो और अपेक्षा पर खरे नहीं उतरे हों।मुख्य सचिव ने कहा कि ऐसी दक्ष टीम के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है, इस बात का संतोष है और गर्व भी है। श्री बैस ने कहा कि चाहे कोरोना काल की बात हो या सिंहस्थ के आयोजन की बात हो या फिर माफिया के खिलाफ कार्रवाई का समय हो, अधोसंरचना का विकास हो या जनता की समस्याओं के निराकरण की व्यवस्था हो, मध्यप्रदेश में सभी प्रशासनिक आयामों पर मध्यप्रदेश में अनेक उपलब्धियां का इतिहास रचा गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि हम जो भी कार्य करते हैं उसका विश्लेषण भी किया जाता है। कई कमियां भी सामने आती हैं और बहुत सा अच्छा कार्य कवियों के आगे दब जाता है। अपने श्रेष्ठ कार्यों को प्रचारित करने और उनकी व्याख्या करने के प्रति भी हमें सजग रहना चाहिए।

सूडान में फंसे प्रदेश के लोगों को निकालने का प्रयास

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज ट्वीट के माध्यम से कहा है- हमारे जो प्रदेश के एक साथी सूडान में फँसे हुए है, उनको लेकर हम भारत सरकार के सतत संपर्क में है, मैं भी संपर्क में हूँ, हमारे अधिकारी भी संपर्क में है। हमारी पूरी कोशिश रहेगी कि हम उन्हें सुरक्षित बाहर निकालें।

पुंछ में हमला: घायल जवान बोला- 7 आतंकियों ने ग्रेनेड अटैक किया

जम्मू। कश्मीर में सेना के ट्रक पर आतंकी हमले के मामले में नई जानकारी सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में घायल एक जवान ने बताया कि रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अटैक में कम से कम 7 आतंकी शामिल हो सकते हैं।

उधर, जवानों पर आतंकी हमले की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी और 8 सदस्यीय फोरेंसिक टीम पुंछ रवाना हो गई है। दोपहर तक घटनास्थल भीमबेर गली

इलाके में पहुंचेगी। बम डिसपोजल स्कॉड और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप टीम ने सुबह जाकर पूरे इलाके में जांच की। भीमबेर गली पुंछ से 90 किलोमीटर दूर है। यह इलाका लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) से 7 किमी दूर है। यहां बेहद घना जंगल है। इस इलाके में पाकिस्तानी बेस्ड आतंकियों के मौजूदगी के इंटेलीजेंट इनपुट्स थे। पूरे इलाके में सुरक्षा बलों ने ड्रोन-स्निफर डॉग से सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

चारधाम यात्रा कल से शुरू, 6 दिनों में भी पूरी यात्रा संभव

नई दिल्ली। चारधाम यात्रा शनिवार से शुरू होगी। 22 अप्रैल को यमुनोत्री व गंगोत्री के कपाट खुलेंगे। 25 को केदारनाथ और 27 को बद्री विशाल के दर्शन शुरू होंगे। यात्रा से ठीक पहले चारों धामों के बीच 1,550 किमी से ज्यादा दूरी तय कर तैयारियों का जायजा लिया। पहले जहां ऋषिकेश से सड़क मार्ग से चारधाम यात्रा पूरी करने में कम से कम 7 दिन (रोज 7-8 घंटे का सफर) लगते थे, इस बार 6 दिन (रोज 7 घंटे यात्रा) में यात्रा पूरी हो सकती है।

दिल्ली के साकेत कोर्ट में महिला पर फायरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक शख्स ने फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि वकील के कपड़े पहनकर आए शख्स ने अपनी पत्नी पर गोली चलाई, जो महिला के पेट में लगी। महिला को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। एक से अधिक हमलावर बताए जा रहे हैं, जिनका अब तक कोई पता नहीं है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कुल चार राउंड फायर किए गए हैं। फायरिंग के पीछे के कारण साफ नहीं है, लेकिन पुलिस आपसी विवाद मानकर जांच कर रही है।

ट्रेन के सामने कूदा परिवार, पति-पत्नी और बेटी की मौत

बेटा ट्रेन को आता देख भाग गया, बोला- पुलिसवालों ने पापा को धमकी दी थी

टीकमगढ़। टीकमगढ़ में एक परिवार कुरुक्षेत्र से खजुराहो जा रही ट्रेन के सामने कूद गया। पति-पत्नी और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटा ट्रेन को आते देख ट्रैक से भाग गया। घटना शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे की है। परिवार खरगापुर रेलवे ट्रैक पर सुसाइड करने पहुंचा था। मृतक के बेटे ने रोते हुए बताया कि पुलिसवालों ने पूरे परिवार को जेल में डालने की धमकी दी थी। इसलिए मम्मी-पापा और बहन ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी।

ट्रैक के पास से गुजर रहे लोगों ने शवों को देखा। इसकी सूचना खरगापुर थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी नितेश जैन ने एफएसएल टीम और वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। एक शव के पास आधार कार्ड मिला, जिससे उसकी पहचान लक्ष्मण नामदेव (50) निवासी मातोल के रूप में हुई। पूछताछ में लोगों ने बताया कि दो शव लक्ष्मण की पत्नी रजनी (45) और उसकी बेटी विनी (13) के हैं। लक्ष्मण खेती करता था। पुलिस शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई है। एसपी रोहित काशवानी ने कहा कि सुसाइड के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने जब आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला परिवार ट्रैक पर था तो कुछ ही दूरी पर एक महिला भी थी।

परिजनों को मुआवजा, घटना की जांच हो: कमलनाथ

टीकमगढ़ की घटना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दुख व्यक्त करते हुए कहा- मैं मुख्यमंत्री के संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं कि मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रताड़ना से पीड़ित होकर इस परिवार ने आत्महत्या की है। दो दिन पहले कटनी में भी एक दलित दंपति ने जहर खा लिया था और महिला की मृत्यु हो गई थी। वहां भी पीड़ित पक्ष ने पुलिस उत्पीड़न का आरोप लगाया था। मैं मुख्यमंत्री से निवेदन करता हूं कि सभी मृतकों के परिजनों को समुचित मुआवजा दिया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को दंडित किया जाए।

भाजपा अंत्योदय प्रकोष्ठ ने किया स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। भाजपा अंत्योदय प्रकोष्ठ जिला भोपाल द्वारा सिहोर नाका स्थित आंगनबाड़ी में निर्धन लोगों के लिए स्वास्थ्य जाँच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन निदांता वेल्फेयर सोसाइटी के सहयोग से किया गया जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत, जिला संयोजक वीर सिंह चैहान, पूर्व जनपद अध्यक्ष लीला राजपूत एवं सोसाइटी के अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा, डॉक्टर दीक्षित आदि मौजूद थे। इस अवसर पर राहुल राजपूत ने कहा कि भाजपा द्वारा समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्तियों के लाभ के लिए काम किया जाता है उसी के तहत आज ऐसे लोंगों का नि शुल्क बीपी, शुगर एवं उनकी चिकित्सा जाँच की जा रही है प्रकोष्ठ के संयोजक वीर सिंह चैहान ने कहा कि प्रकोष्ठ द्वारा पूरे जिले भर में ऐसे शिविरों का आयोजन करके लोगों को लाभ दिया जा रहा है।

संत हिरदाराम ब्लॉक कांग्रेस में मंडलम व सेक्टरों में हुई नियुक्तियां

संत हिरदाराम नगर। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी जे.पी.अग्रवाल, जिलाध्यक्ष कैलाश मिश्रा की अनुशंसा पर भौंरी मण्डलम, संत कंवरराम मण्डलम, हेमू कालाणी मण्डलम के मण्डल अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्षों के नियुक्ति पत्रक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारन, पूर्व विधायक जितेन्द्र डागा, ब्लाक अध्यक्ष आनंद सबधानी, पार्षद लक्ष्मण राजपूत, माधु चांदवानी की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। भौंरी मण्डलम से सुरेश सिंगरोली, संत कंवरराम मण्डलम से नरेन्द्र केवलानी, जगदीश सांवले व हेमू कालाणी मण्डलम से दिलीप ज्ञानचंदानी व भरत आसवानी को मण्डलम अध्यक्ष बनाया गया है। संत हिरदाराम नगर ब्लॉक में 13 सेक्टर प्रभारी बनाये गये हैं। जिसमें कन्हैया नागदेव, इन्द्र कुमार जनियानी, जेकी गोस्वामी, राजकुमार धानु, लाल मूरजानी, लक्ष्मण वासवानी, शम्मी गंगवानी, गगन भार्गव, ओमप्रकाश नामदेव, नंदकिशोर नागर, महेन्द्र मालवीय, रामनरेश माली, अशोक मेहर, शामिल हैं ।

कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गुरूवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने बैरसिया ब्लॉक के गौरव वेयरहाउस रतुआ रतनपुर तथा सरजू वेयरहाउस, ग्राम पंचायत हर्राखेडा पहुंचकर गेहूं खरीदी की वस्तुस्थिति का जांच की है। उन्होंने समितियों को नियमानुसार गेहूं खरीदने के निर्देश दिए हैं ताकि लोगों को संभवत: धोखाधड़ी से बचाया जा सके इसके अलावा, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में खेती करने वाले किसानों के लिए आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि किसानों को समय पर उनकी उपज को खरीदने के लिए अनुकूल तथा सुरक्षित सुविधाएं प्रदान की जाएँगी

भोपाल जिले के कुल पंजीकृत किसानों में से बहुत से किसान समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचकर अपनी आय को बढ़ाने में सफल रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार खाद्य आपूर्ति के नियंत्रण के तहत किसानों की मदद करने के लिए अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर रही है। यह भी बहुत अच्छी बात है कि सरकार ने किसानों को उनके द्वारा बेचे गए गेहूं के लिए समर्थन मूल्य प्रदान करके उनके सहयोग का आभार व्यक्त किया है। इससे न केवल किसानों को अधिक आय मिलेगी, बल्कि इससे देश की खाद्य सुरक्षा भी बढ़ेगी।

अब जब तक नए समय स्लॉट बुकिंग के लिए खुलते हैं और किसानों के द्वारा गेहूं बेचा जाता है, सरकार को इसकी निगरानी करते रहना चाहिए ताकि किसानों को समर्थन मूल्य प्रदान किए जाने में कोई देरी न हो। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया कि भोपाल जिले में रबी विपणन वर्ष 2023-24 में कुल पंजीकृत किसानों 33900 में से 28164 द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग कराई जा चुकी है तथा अब तक 18880 कृषकों से एक लाख 85 हजार 191 मैट्रिक टन गेहूं खरीदी की गई है । किसानों को अब तक जाकर 148 करोड़ रूपये से अधिक का सफल

कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण में जिला पंचायत के स्वच्छता केंद्र का भी निरीक्षण किया

भोपाल । कलेक्टर आशीष सिंह ने भोपाल के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करके उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। ईटखेड़ी स्थित गेहूं खरीदी केंद्र और लाडली बहना के लिए बनाए गए अपडेशन केंद्रों का निरीक्षण करने से उन्हें उन इलाकों में होने वाली समस्याओं के बारे में अधिक जानकारी मिली होगी। इससे उन्हें उन समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिल सकती है। इस तरह कलेक्टर आशीष सिंह ने भोपाल के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए महत्वपूर्ण काम किया है। आशीष सिंह ने संग्रहण केन्द्र के अलावा स्वच्छता के लिए एक स्वच्छता केंद्र बनाने के बारे में भी बताया है। इस स्वच्छता केंद्र के माध्यम से भोपाल को ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता की विशेष पहचान देने का उद्देश्य है। इसके अलावा, सूखा और गीला कचरा एकत्रित करने के लिए भी यह केंद्र बहुत महत्वपूर्ण होगा। सिंह और जिला पंचायत सीईओ ऋषुराज सिंह द्वारा निरीक्षण किए जाने वाले कचरा संग्रहण केन्द्र भी बहुत महत्वपूर्ण होंगे। ये केन्द्र उचित तकनीक से कचरा संग्रहित करने में मदद करेंगे और संग्रहित कचरे को अलग करने में मदद करेंगे। इस तरह, ये केंद्र स्थानीय स्तर पर स्वच्छता को बढ़ाने में मदद करेंगे। समर्थन में इस स्वच्छता अभियान को लागू करने के लिए, समुदाय के सदस्यों को समय-समय पर संग्रहण केंद्र और स्वच्छता केंद्र के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

स्वच्छता अभियान: महापौर ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

भोपाल । भोपाल की महापौर मालती राय ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की है और उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में भोपाल को नंबर वन बनाने के लिए साफ-सफाई व्यवस्था में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, उन्होंने सुलभ शौचालयों में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था बनाने और जल सुविधाओं को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य आर.के.सिंह बघेल, अपर आयुक्त एम.पी. सिंह, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना, समस्त प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एवं सुलभ इंटरनेशनल के श्री शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। महापौर मालती राय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में भोपाल को नंबर वन बनाने के लिए सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित मापदण्डों के अनुसार सतत रूप से निरीक्षण करें और साफ सफाई व्यवस्था में तेजी लाकर बेहतर बनाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि वार्डों में संलग्न सफाईकर्मी दोपहर 12 बजे तक अपने वार्डों में साफ सफाई व्यवस्था करें और दोपहर 02:00 बजे से पूरे जोन के सफाई कर्मचारियों को एक साथ जोन के एक-एक वार्ड में शेड्यूल बनाकर कार्य कराएं।

डीएफओ को हटाने के विरोध में वन कर्मचारी मंच ने प्रदर्शन किया

भोपाल। वन कर्मचारी मंच के नेतृत्व में आज वन कर्मचारियों ने वन मुख्यालय सतपुरा भवन पर कर्मचारी हितैषी बुरहानपुर डीएफओ को हटाने के विरोध में प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री सचिवालय में मुख्यमंत्री को डीएफओ अनुपम शर्मा का स्थानांतरण आदेश निरस्त कर पुनः पदस्थ करने की मांग का ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में वन कर्मचारी नेता अशोक पांडे आईबी सिंह आरपी वर्मा हरि सिंह गुर्जर लव प्रकाश पाराशर गणेश शुक्ला भानु प्रताप सिंह श्याम लाल विश्वकर्मा भगवान दास बिल्लोरे भूपेंद्र पांडे हरि सिंह गुर्जर प्रीतम मेहर आदि महिला पुरुष वन कर्मचारी शामिल थे।

मध्यप्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि राज्य सरकार ने वनों को बचाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तथा कर्मचारी हितेषी एवं वन कर्मचारियों को सुरक्षा मुहैया कराने वाले अनुपम शर्मा आई एफ एस वन मंडल अधिकारी बुरहानपुर को अच्छा कार्य करने के बावजूद भी कम समय अवधि में ही अकारण स्थानांतरित कर दिया है डीएफओ बुरहानपुर अनुपम शर्मा के आकस्मिक स्थानांतरण आदेश जारी होने से कापालिक वन कर्मचारियों का मनोबल गिर गया है बुरहानपुर खंडवा इंदौर भोपाल सहित प्रदेश भर के वन कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है आज बुरहानपुर एवं भोपाल के वन कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांग करी है।

अफसर बनकर ज्वेलर्स को ठगने वाला जालसाज राजस्थान से गिरफ्तार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्टेट साइबर सेल ने भोपाल के ज्वेलर को आयकर अधिकारी बनकर छापे डालने की धमकी देकर पांच लाख 20 हजार रुपये ठगने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह ठगी मार्च महीने में हुई थी और फरियादी ने चार दिन पहले ही स्टेट साइबर सेल में मामला दर्ज कराया था।

आरोपी के ठगी के अंतर्गत, उन्होंने झूठे आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए ज्वेलर से पांच लाख 20 हजार रुपये की मांग की थी और धमकी दी थी कि वर्ना वे उसे आयकर अधिकारी बताकर छापे डाल देंगे। जब ज्वेलर ने पैसे नहीं दिए तो उन्हें धमकी दी गई थी कि उनकी दुकान पर छापे डाले जाएंगे। फिर भी, ज्वेलर ने आरोपी के मांगों पर पैसे नहीं दिए और इसके बजाय स्टेट साइबर सेल में मामला दर्ज कराया। इस घटना के बाद, स्टेट साइबर सेल ने जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया। स्टेट साइबर सेल द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करना राजस्थान और अन्य राज्यों में ठगी व जालसाजी के 62 प्रकरणों के खिलाफ सफल कार्रवाई का संकेत है। यह दर्शाता है कि साइबर अपराधों को लेकर अधिकतर राज्य सुरक्षा एजेंसियों अपनी जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं और इस मुश्किल से निपटने के लिए सक्रिय हैं।

राजस्थान के पाली से गिरफ्तार

एडीजी साइबर सेल योगेश देशमुख के अनुसार भोपाल के एक प्रतिष्ठित ज्वेलर को शातिर ठग ने आयकर अधिकारी बनकर 9 मार्च से 19 मार्च के बीच छापा डालने की धमकी देकर पांच लाख 20 हजार रुपये अपने खाते में डलवाए थे। फरियादी ने 14 अप्रैल को एफआईआर कराई। इसके बाद साइबर पुलिस ने राजस्थान के पाली से सुरेश कुमार पुत्र भंवरलाल (40) को गिरफ्तार किया है।

ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले 9 सटोरिये पकड़े

भोपाल। थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच अनूप कुमार उईके उनकी टीम द्वारा वर्तमान मे चल रहे आईपीएल क्रिकेट पर हारजीत का दाव लगाकर सट्टा लगाने वाले छ: आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। सट्टा लगाने वाले एप्पल, ओप्पो, रियलमी, वीबो कंपनी के 05 मोबाईल फोन तथा नगदी 24,500/- रुपये। मौके से मोह. शाहनवाज, हरिओम गुप्ता, सलमान खान, छोटू खान, नरेश गोस्वामी, अमन बैग,आदित्य प्रकाश उर्फ आदि, लतीश खुशलानी, नवीन फूलचंदानी को गिरफ्तार किया गया वहीं दो आरोपी करण और निशांत यादव उर्फ दाऊ फरार हैं।

आर्टलोक द्वारा तीन दिवसीय नाट्य कार्यशाला, - बच्चों ने सीखे नाट्यकला के गुर

भोपाल। 6 साल से 16 साल के बच्चों के लिए दिनाँक 20 अप्रैल 2023 से तीन दिवसीय नि:शुल्क नाट्य कार्यशाला समरशाला का आयोजन श्याम नगर ,बिठठन मार्केट स्लम एरिया में किया जा रहा है। डा राजीव जैन ने बताया कि कार्यशाला के पहले दिन बच्चों को अपूर्व दत्त मिश्रा के द्वारा थिएटर के बेसिक्स समझाए गए एवं प्रायोगिक तथा रोचक तरीक़ों से इम्प्रोवाइज़ेशन करवा कर नाट्य कला एवं अभिनय के मूलों को समझाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 40 बच्चे भागीदारी कर रहे है। कार्यशाला के दूसरे दिन बच्चों को संगीत और तीसरे दिन नृत्य के बेसिक्स के बारे में अवगत कराया जायेगा ।

भोपाल में पहली बार आधुनिक मोटराइज्ड एंट्रोस्कोपी मशीन से छोटी आंत की होगी लाइव एंडोस्कोपी

22 व 23 अप्रैल को भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलोजी की आठवीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन

भोपाल। भोपाल में पहली बार आधुनिक मोटराइज्ड एंट्रोस्कोपी मशीन के जरिए छोटी आंत की लाइव एंडोस्कोपी 22 अप्रेल को राजधानी के गेस्ट्रोकेयर अस्पताल में होने जा रही है। यह वर्तमान में इलाज में उपयोग होने वाली बलून एंट्रोस्कोपी से आधे समय से भी कम यानी महज 45 मिनट लेती है। साथ ही इसकी सफलता दर भी लगभग 100 फीसदी है। बता दें, 22 व 23 अप्रैल को आयोजित आठवीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस का भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलोजी द्वारा आयोजन होने जा रहा है। इस कॉन्फ्रेंस के ऑर्गनाइजिंग चेयरमेन डॉ. संजय कुमार के अनुसार नई तकनीक का इस्तेमाल से मरीजों को जल्द ठीक किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में देश भर के डॉक्टर शिरकत करेंगे। साथ ही अलग - अलग विषय पर एक जानकारी देंगे।

डॉ संजय कुमार के अनुसार गैस्ट्रोएंटरोलॉजी पर डॉक्टरों को शिक्षित करने और अपने आठवें स्थापना दिवस को चिह्नित करने के उद्देश्य से, भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए तैयार है। पहले दिन की कॉन्फ्रेंस गैस्ट्रोकेयर हॉस्पिटल भोपाल के प्रांगण में होगी, जबकि दूसरे दिन की कॉन्फ्रेंस भोपाल के होटल मैरियट में निर्धारित की गई है। इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के पहले दिन लाइव कार्यशाला से होगी। देश भर के पंद्रह प्रसिद्ध डॉक्टर/विशेषज्ञ ऑपरेशन थियेटर में युवा चिकित्सकों के लिए लाइव एंडोस्कोपी करेंगे, ताकि वे सर्जरी के बिना एंडोस्कोपी करने की बारीकियों को देख सकें और सीख सकें। वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले डॉक्टरों को हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी मिलेगी यानी वे मॉडल्स पर एंडोस्कोपी करेंगे।

15 से अधिक लाइव केस होंगे: 22 अप्रैल को गेस्ट्रोकेयर अस्पताल में पेंक्रियास, पेट में पानी भरना, छोटी आंत व मोटापे से संबंधित समस्याओं के 15 से ज्यादा केस की एंडोस्कोपी एक्सपर्ट करेंगे। इस वर्कशॉप में ईआरसीपी, पीओईएम व ईएसडी, ईयूएस-बीडी, मोटराइज्ड स्पाइरल एंट्रोस्कोपी, मोटापे की एंडोस्कोपी सर्जरी समेत कुल 12 विषय शामिल किए गए हैं। जो देश भर से आए प्रतिभागियों को लाइव देखने और सीखने को मिलेगी। इसके अतिरिक्त नए डॉक्टर्स के लिए हेंड्सऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन भी किया गया है।

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल में आशीर्वाद समारोह का आयोजन

सही महाविद्यालय का चुनाव निर्धारित करता है छात्राओं का स्वर्णिम भविष्य: भाऊ

संत हिरदाराम नगर। चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल के सभागार में सत्र 2022- 23 की कक्षा 12वीं की छात्राओं के लिए विदाई एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती, माँ सरस्वती एवं संत शिरोमणि संत हिरदाराम साहिब जी के छाया चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, सचिव श्री ए.सी.साधवानी, अकादमिक निदेशक श्री गोपाल गिरधानी, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती प्रिया जैन शर्मा, को-ऑर्डिनेटर सुश्री लता आसनानी, विद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं एवं विशेष अतिथि के रूप में पधारी कक्षा 12वीं की छात्राएँ उपस्थित हुईं।

विद्यालयीन शिक्षा पूर्ण करके उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने से, छात्राओं के हृदय में भावुकता एवं नए उत्साह का मिलाजुला समावेश था। कक्षा 12वीं की छात्राओं को संबोधित करते हुए श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि विद्यालय में अर्जित किए गए ज्ञान व शक्ति का प्रयोग विद्यार्थी जीवन भर करते हैं। विभिन्न सत्रों के माध्यम से सिखाई गई सभी बातों का आप अनुसरण करें। अपने माता-पिता तथा गुरुजनों पर पूर्ण निष्ठा एवं श्रद्धा रखकर सदा उनके लिए हृदय में सम्मान व कृतज्ञता का भाव रखें, ताकि आप जीवन की हर कठिन परिस्थिति का सामना कर सकें। अपने माता-पिता के अलावा किसी अन्य पर भरोसा न करें। स्वार्थ पूर्ति के लिए बने झूठे रिश्तो से दूर रहें। हमेशा अच्छा पढ़ें, देखें और सुनें, जिससे आपके मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न हों, किसी भी तरह की नकारात्मकता आपके मन में न आए। अच्छी तरह से पढ़ाई करने के लिए तन-मन दोनों का स्वस्थ रहना जरूरी है। तन को स्वस्थ रखने के लिए घर का बना भोजन खाएं। बाजार में बिकने वाली नकली व मिलावटी चीजों का सेवन न करें। भूख से कम खाएं। बार -बार भोजन न करें। ईश्वर के साथ अपना जुड़ाव रखें। वे ही हर समय, हर जगह हमारी रक्षा करते हैं। महाविद्यालय में प्रवेश लेने के पश्चात अपने सीनियर्स के साथ वाणी में मधुरता, शालीनता रखकर व्यवहार करें, ताकि आपको वहाँ किसी भी तरह की परेशानी न हो। व्यवहार कुशल बनने के लिए दूसरों पर क्रोध न करें।

5 मिनट के क्रोध से शरीर में हानिकारक हार्मोन्स का स्त्राव होने लगता है, जिसके कारण अनेक विकार उत्पन्न हो जाते हैं। अहंकार, ईर्ष्या, परनिंदा से दूर रहें। दूसरों को क्षमा करना सीखें। कभी भी तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त न करें, ऐसा करने से हमारे परम हितैषी हमसे दूर हो जाते हैं। सहनशीलता एवं धैर्य रखकर हर समस्या पर विचार करें। जीवन में कम किंतु सच्चे मित्र बनाएं। आवश्यकतानुसार सोच -समझकर बोलें। मन में प्रफुलता रखें। मित्रता करने से पहले लोगों को परखें। स्वार्थी लोगों से दूर रहें। उज्जवल भविष्य के लिए विद्यालय में बताई गई सभी बातों को हृदयगम करें। अंत में आपने सभी छात्राओं को आशीर्वाद स्वरुप पेन उपहार में दिए और सभी के लिए सुखद एवं मंगलमय जीवन की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

ए. सी. साधवानी जी अपने उद्बोधन में छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जन्म के पश्चात माता-पिता ही गुरु होते हैं, तत्पश्चात विद्यालय में मिले गुरुजनों के मार्गदर्शन में बच्चे सीखते हैं। विद्यालय में व्यवहारिक ज्ञान तथा किताबी ज्ञान सीखते हैं और अंत में आध्यात्मिक गुरु परम -पिता परमेश्वर की ओर ले जाने का मार्ग दिखाते हैं। आज छात्राएँ महसूस कर रही होंगी कि वे नियंत्रण मुक्त हो गई हैं, स्वयं अपने फैसले ले सकती हैं। परंतु उन्हें अब और सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्योंकि अब कदम - कदम पर साथ देने वाले गुरुजन आपके साथ नहीं होंगे। जीवन में कठिनाइयाँ आती रहती हैं।

75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

सुरखी की मेहनत, संकल्पशक्ति , तपस्या का है यह सम्मान समारोहः गोविंद सिंह राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुरखी की मेहनत संकल्प शक्ति, तपस्या का यह सम्मान समारोह है जिसमें छात्रों की संकल्प शक्ति, तपस्या और उनके गुरू व माता पिता की मेहनत का सम्मान समारोह है। यह बात राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने होटल रॉयल पैलेस में आयोजित सुरखी विधानसभा क्षेत्र के 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह के अवसर पर कहीं।

श्री राजपूत ने कहा कि सुरखी लोक कल्याणकारी योजनाओं में इतिहास बनाने का साक्षी है। ऐसी प्रतिभा और मेहनत से यदि कोई भी कार्य किया जाए तो किसी भी मंजिल को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आकाश राजपूत द्वारा आयोजित मंत्री कप क्रिकेट प्रतियोगिता पूरे विश्व के इतिहास में अपना नाम अंकित किया है जिसमें 10,000 से अधिक क्रिकेट के खिलाड़ियों ने 6 माह तक मैच खेले। इसी प्रकार मेरे पुत्र आकाश राजपूत के विवाह समारोह में सुरखी विधानसभा क्षेत्र के एक-एक परिवार में पीले चावल देकर कार्ड दिए गए और उनको मांगलिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया यह भी एक इतिहास है। उन्होंने कहा कि आज आप लोगों का सम्मान करने का जो शुभ कार्य हो रहा है वह भी एक इतिहास रचेगा।

40 वर्ष पूर्व मिला प्रमाण-पत्र आज भी घर में है : मंत्री राजपूत ने कहा कि जब मुझे 40 वर्ष पूर्व स्कूल में एक प्रमाण पत्र और मेडल मिला था जिसे मैंने आज भी अपने घर में सुरक्षित और सहेज कर रखा है। सम्मान समारोह बच्चों के लिये आगे बढ़ने के लिये संजीवनी की तरह काम करता है जिससे बच्चे प्रात्साहित होकर और अच्छी पढ़ाई करते हैं। उन्होंने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र का एक-एक व्यक्ति से मेरा पारिवारिक संबंध है और उनके सुख दुख में मेरा परिवार हमेशा उनके साथ रहता है।

शिविर लगाकर बनेंगे ड्राइविंग लाइसेंस: मंत्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में जहां छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों के लिए करोड़ों रुपए के स्टेडियम बनाए गए हैं ताकि हमारे बच्चे खेल में भी अपना नाम करें। वहीं स्कूली शिक्षा देने के लिए 40-40 लाख रुपए की लागत से सीएम राइस स्कूल तैयार किए जा रहे हैं जिसमें निजी विद्यालयों की तरह शिक्षा प्रदान की जाएगी और अत्याधुनिक सुविधाएं प्राप्त होगी। श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा पूरे देश में पहली बार मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में प्रारंभ की है जिसकी सराहना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई है। श्री राजपूत ने प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह में कहा कि आप सभी के ड्राइविंग लाइसेंस के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे जिससे कि उनको सागर तक नहीं आना पड़ेगा।

छात्रों के हित के लिए कई योजनाएं संचालित: इस अवसर पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग डॉ मनीष वर्मा ने कहा कि छात्रों के हित के लिए मध्यप्रदेश शासन ने लोक हितकारी योजनाएं प्रारंभ की है जिसमें की साइकिल, स्कूटी निःशुल्क गणवेश वितरण, पाठ्य पुस्तक वितरण, छात्रवृत्ति वितरण सहित अन्य योजनओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है वहीं अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए सीएम राइस स्कूल बनाई जा रही हैं साथ में 40000 शिक्षकों की भर्ती भी की जा रही है।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अखिलेश पाठक ने कहा कि बच्चों का प्रथम शिक्षक उसकी माता होती है, वित्तीय शिक्षक गुरु होता है हमें माता पिता एवं गुरु का सम्मान हमेशा करना चाहिए उन्होंने कहा कि मैं माता-पिता सहित समस्त गुरुओं को नमन करता हूं जिससे कि आज हम ऐसी स्थिति में पहुंच पाए। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा जो छात्र छात्राओं का सम्मान कार्यक्रम किया जा रहा है इससे बच्चों के लिए नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित: कार्यक्रम में मंत्री श्री राजपूत द्वारा समस्त प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह एवं एक एक हज़ार रुपए के चेक से सम्मानित किया गया एवं छात्र छात्राओं उनके परिजनों तथा शिक्षक शिक्षिकाओं के लिये होटल में भोजन की व्यवस्था की गई। सभी छात्र-छात्राओं शिक्षकों को उनके स्थान तक लाने ले जाने के लिये बस की व्यवस्था भी की गई थी। सम्मान समारोह के बाद अभिभावक, छात्र छात्राओं तथा शिक्षकों ने होटल रॉयल पैलेस में भोजन किये। कार्यक्रम में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, आकाश सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षक शिक्षिकाओं पर पुष्प वर्षा की गई । इस अवसर पर आकाश सिंह राजपूत, रामेश्वर यादव, धीरज सिंह राजपूत संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग, मनीष वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी, अखिलेश पाठक जिला परियोजना अधिकारी, गिरीश मिश्रा, प्राचार्य श्रीमती कल्पना शर्मा, मनोज तिवारी, जाहर सिंह, मनोज पाठक, दिनेश तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी प्राचार्य एवं प्रतिभाशाली छात्र छात्राएं सहित अभिभावक मौजूद थे।

अब स्पीड पोस्ट से घर आयेगा वोटर कार्ड

भोपाल। यह एक बड़ी सुविधा है कि अब वोटर कार्ड सीधे स्पीड पोस्ट के जरिए घर पर पहुंचाया जाएगा। इससे लोगों को तहसील और कलेक्ट्रेट के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वोटर कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए, कृपया अपने निकटतम डाकघर या स्पीड पोस्ट केंद्र से संपर्क करें और वोटर कार्ड पहुंचाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची जांचें। आप भी विवरणों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सबमिट कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग वोटर आईडी के लिए कोई फीस नहीं लेता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी नागरिक निर्वाचन अधिकार का उपयोग कर सकते हैं, यह एक बहुत अच्छी पहल है। ऑनलाइन या ऑफलाइन अपना वोटर आईडी बनवा सकते हैं, इसके लिए आपको आवेदन करने की जरूरत होगी। जैसे ही आपका ईपिक नंबर जनरेट होगा, आपको घर कार्ड पहुंचा दिया जाएगा। इसलिए, आपको अपनी सभी डिटेल्स को सही तरीके से भरना चाहिए। आपके वोटर आईडी फॉर्म में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर को दर्ज करने के बाद, आपको स्पीड पोस्ट का मैसेज मिलेगा। इससे आप अपने कार्ड की ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह एक बहुत ही अच्छी सुविधा है जो वोटर आईडी जैसी महत्वपूर्ण वस्तु को ढूंढने में मदद करती है।

बिना अतिरिक्त चार्ज दिए उपभोक्ता कर सकेंगे बिजली बिलों का भुगतान

भोपाल। बिजली उपभोक्ता बिना कोई अतिरिक्त चार्ज दिए घर बैठे अथवा अपने नजदीक के ऑनलाइन कियोस्क से बिजली बिलों का भुगतान आसानी से कर सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल, एम.पी.ऑनलाइन कियोस्क, आईसेक्ट कियोस्क, पीओएस मशीन एवं कलेक्शन एजेंट जैसे अनेक विकल्प उपलब्ध कराये गए हैं। इनसे उपभोक्ता अपने बिजली बिल का भुगतान बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के कर सकते हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता कंपनी की बेवसाइट एवं इंडियाआइडिया डॉट कॉम (बिल डेस्क) के पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपलब्ध विकल्प डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, ईसीएस/ ईबीपीएस/ एनएसीएच/ कैश कार्ड/वॉलेट्स आदि से अथवा गूगल पे, फोन पे, अमेजॉन पे, फ्री रिचार्ज आदि से भी बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एम.पी.ऑनलाइन की बेवसाइट से उपभोक्ता स्वयं बिजली बिल का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। साथ ही यह एम.पी. आनलाइन के विभिन्न अंचलों में स्थापित कियोस्क से बिना कोई अतिरिक्त चार्ज दिए उपभोक्ता द्वारा विद्युत देयक का भुगतान किया जा सकता है। एम.पी. ऑनलाइन को देय सर्विस चार्ज का भुगतान कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। वहीं शहरी क्षेत्रों में आईसेक्ट के स्थापित कियोस्क से भी उपभोक्ता अपना विद्युत देयक का भुगतान कर सकते हैं। कंपनी के प्रावधान अनुसार वर्तमान में कंपनी कार्यक्षेत्र के 51 जोन एवं वितरण केन्द्र कार्यालयों में आईसेक्ट के अधिकृत कर्मचारियों द्वारा भी बिजली बिल भुगतान की सुविधा कंपनी ने उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई है।

स्वास्थ्य संस्थाओं में अनुपस्थित 2 कर्मचारियों की सेवा समाप्त

भोपाल। शहरी क्षेत्रों में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गठित दल द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। दल ने शहर की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में जाकर संस्था के निर्धारित समय पर खुलने एवं स्टाफ की उपस्थिति की जांच की। जांच के दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए सेवा समाप्ति हेतु नोटिस दिया गया। दो आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ0 प्रभाकर तिवारी ने बताया कि संविदा चिकित्सा अधिकारी- डॉ. संजय मेहरोत्रा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ईशान नगर, डॉ. रश्मि लहरी, संजीवनी क्लीनिक लक्ष्मण नगर, डॉ. सोनाली साहू, संजीवनी क्लीनिक जहांगीराबाद, संविदा नर्सिंग ऑफिसर- सुश्री रितु साहू, संजीवनी क्लीनिक लक्ष्मण नगर, सुश्री दिव्या शेषकर, संजीवनी क्लीनिक सलैया नगर तथा फार्मासिस्ट सुश्री आकांक्षा शुक्ला, संजीवनी क्लीनिक अमरावतखुर्द को सेवा समाप्ति का नोटिस दिया गया है। डॉ0 तिवारी ने बताया कि संस्थाओं का समय - समय पर पुनः निरीक्षण किया जाएगा।

बच्चों को निशुल्क चॉकलेट, बिस्कुट का वितरण

भोपाल। कैलाशवासी रमन अग्रवाल द्वारा शुरू किए कार्यों को आगे बढ़ाते हुए बच्चों को निशुल्क चॉकलेट, बिस्कुट इत्यादि का वितरण ग्राम मकौड़ा टेकनपुर डबरा ग्वालियर में किया गया। बच्चों के जीवन में खुशियों के रंग भरने किए गए इस कार्य में विशेष रूप से अनुभव रमन अग्रवाल एवं लायक सिंह यादव जौरासी उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने नियमित मॉनिटरिंग करें: शुक्ल

भोपाल। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संजय कुमार शुक्ल ने कहा है कि ग्रीष्मकाल में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए समस्त ज़िलों के विभागीय अधिकारी नियमित समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि पेयजल स्त्रोतों में जैविक प्रदूषण को रोकने क्लोरिनेशन के लिए आवश्यक केमिकल्स की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

प्रमुख सचिव के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत प्रति सप्ताह जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पेयजल प्रदाय की विस्तृत समीक्षा करेंगें। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विकासखण्ड स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा करेंगें। साथ ही समीक्षा बैठकों में जन-प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ल ने निर्देश दिये हैं कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का अमला लगातार ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण करे।स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के साथ चिन्हांकित ग्रामों-बसाहटों में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए ग्राम और बसाहटवार कार्य-योजना तैयार कर कारवाई सुनिश्चित की जाए।

हैंडपंप, नलकूपों के संचालन की करें नियमित समीक्षा: प्रमुख सचिव शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हैण्डपंपों के संचालन की नियमित समीक्षा की जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री सुनिश्चित करें कि बंद हैण्डपंपों का सुधार कार्य 24 घंटे में पूरा किया जाए। विगत वर्षों में जिन हैण्डपंपों के नलकूप का जल स्तर नीचे चले जाने से उन नलकूप पर सिंगल फेस विद्युत मोटरपंप स्थापित कर पेयजल व्यवस्था सुचारू की गई थी। उन सिंगल फेज विद्युत मोटरपंपों की जाँच करायें। आवश्यकतानुसार सुधार कार्य कराकर नियमित समीक्षा की जाए। प्रमुख सचिव ने कहा कि सी.एम हेल्पलाइन में हैण्डपंपों के संधारण कार्य तथा नल जल प्रदाय योजनाओं से संबंधित शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा की जाए। प्रमुख सचिव ने कहा कि जिलों की सभी नल जल प्रदाय योजनाएँ चालू रहें। कोई भी नल-जल योजना विद्युत समस्या या विद्युत कनेक्शन के विच्छेद होने से बंद न रहें।

साँची विवि: कार्य परिषद की अनुमति के बिना भर्ती का संशोधित विज्ञापन जारी

88 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी, चहेतों की नियुक्ति के लिए गलत तरीके से बनाए नियम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल। साँची बौद्ध यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक पदों पर होने वाली भर्ती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शैक्षणिक पदों पर कुलपति और कुलसचिव की मनमर्जी से रोस्टर में बदलाव का मामला सामने आया है। पूर्व में कार्यपरिषद द्वारा पास विषयों के नाम बदलकर रोस्टर में बड़े बदलाव कर दिए गए है जैसे हिंदी लिटरेचर को हटाकर एप्लाइड हिंदी किया, इसी तरह इंडियन पेंटिंग को हटाकर एप्लाइड इंडियन आर्ट किया। हिमालयन बुद्धिस्ट स्टडी को हटाकर बुद्धिस्ट फिलॉस्फी किया, इंग्लिश लिटरेचर को हटाकर इंप्रेशन ऑफ लिटरेचर इंग्लिश किया, डिजाइन को हटाकर मेटेलिक आर्ट्स एंड डिजाइन नाम देकर बदलाव किये गए हैं। इस मामले की शिकायत राज्यपाल को की गई है।

खास बात यह है कि विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्यों को भी पता नहीं है कि रोस्टर में विषयों को अपनी मनमर्जी से बदलकर दोबारा जो बदलाव हुए हैं, वे किसने किए और क्यों हुए। इतना ही नहीं वित्तीय अनुमति केवल 24 पदों के लिए ही है लेकिन 88 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया गया है। सदस्यों के बयानों के बाद यह तय हो गया है कि यूनिवर्सिटी के टीचिंग पदों पर होने वाली भर्ती भी सवालों के घेरे में खड़ी है। रोस्टर में बदलाव को लेकर कई कार्यपरिषद सदस्यों ने 6 अप्रैल 2023 की बैठक में आपत्ति दर्ज कराई थी। लेकिन कार्यपरिषद सदस्यों की अनदेखी करते हुए भर्ती रोस्टर जारी कर दिया गया।

संस्कृति विभाग पर हर महीने आयेगा 1 करोड़ से भी अधिक का वित्तीय बोझ

प्रोफ़ेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अस्सिस्टेंट प्रोफ़ेसर के 88 पदों पर भर्ती के लिए विश्वविद्यालय ने शासन वित्तीय से अनुमति लिए बेगैर ही विज्ञापन जारी कर दिया है। 88 पदों की भर्ती के बाद हर माह 1 करोड़ों से भी अधिक का वित्तीय बोझ किस पर पड़ रहा है इसकी चिंता न कुलपति को है न कुलसचिव को।

चहेतों की नियुक्ति के लिए गलत तरीके से बनाए नियम

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय इन दिनों मध्यप्रदेश शासन के नियमों को दरकिनार रखते हुए मनमाने रवैया से बैकडोर तरीके से फर्जी भर्ती का गढ़ बन चुका है। यहां पर विश्वविद्यालय के कार्य परिषद के अध्यक्ष और सदस्य सचिव मिलकर गलत तरीके से नियम बनाकर एसेंशियल सर्विसेज के तहत कैजुअल भर्ती का प्रचलन पिछले 1 वर्षों से फल-फूल रहा है, जहां पर ना तो मध्यप्रदेश शासन का कोई नियम चलता है और ना ही यूजीसी का नियम, यहां केवल कुलपति नीरजा गुप्ता और कुलसचिव अलकेश चतुर्वेदी अपने स्वयं के नियम बनाकर मनमाने तरीके से पिछले 1 वर्षों में आकस्मिक सेवा में 2 लाख से लेकर 5 लाख तक की राशि वसूलकर नियम विरुद्ध तरीके से कैजुअल अपॉइंटमेंट में नियुक्ति प्रदान की गई है।

एम्स में क्षतिग्रस्त महाधमनी की सफलतापूर्वक सर्जरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

तीन सप्ताह पूर्व सतना निवासी एक 52 वर्षीय महिला को अचानक सीने में तेज दर्द हुआ और उसके शरीर के बाईं ओर कमजोरी आ गई। प्रारंभ में उसे सतना के जिला अस्पताल ले जाया गया। मरीज की हालत तेजी से बिगड़ने के कारण उसे नागपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जांच के बाद, मरीज की महाधमनी (एक बड़ी धमनी जो संपूर्ण शरीर को रक्त की आपूर्ति करती है) में दरार आने का का पता चला।

यह दरार रोगी के मस्तिष्क और शरीर के निचले हिस्से में रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनियों तक हो गई थी। इसके कारण, रोगी को तीव्र किडनी फेल्योर और ब्रेन स्ट्रोक विकसित हुआ। जिससे उसकी अचानक मौत होने की संभावना अधिक थी। रोगी को अत्यधिक जोखिम वाली आपातकालीन सर्जरी की सलाह दी गई थी और सर्जरी के बावजूद बचने की बहुत कम संभावना बताई गई थी। उन्हें सर्जरी के खर्च के लिए 17-18 लाख रुपये की व्यवस्था करने की भी सलाह दी गई थी। चूंकि मरीज इतना महंगा इलाज नहीं करा सकता था, इसलिए उसके परिजनों द्वारा उसे 01 अप्रैल 2023 की आधी रात को एम्स भोपाल लाया गया और उन्हें तुरंत कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया। मरीज की बिगड़ती स्थिति और बिना किसी सर्जिकल हस्तक्षेप के मृत्यु की बहुत अधिक संभावना को देखते हुए, उसे बिना किसी देरी के उसी दिन सर्जरी के लिए ले जाया गया। सर्जरी के दौरान मरीज की महाधमनी में बड़ी दरार होने का पता चला। सर्जरी हृदय-फुफ्फुस (हार्ट-लंग) मशीन पर की गई थी; रोगी के दिल को रोक दिया गया था और उसके शरीर को 25 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा कर दिया गया था। महाधमनी को एक कृत्रिम फैब्रिक ग्राफ्ट द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। यह सर्जरी कार्डियक सर्जन डॉ योगेश निवारिया, डॉ एम किशन, डॉ सुरेंद्र सिंह यादव और कार्डियक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ मोली किरण की टीम द्वारा की गई। 12 घंटे की लंबी सर्जरी के बाद, मरीज को कार्डियक सर्जरी आईसीयू में निगरानी में रखा गया । सर्जरी के बाद, मरीज के गुर्दे (किडनी) और मस्तिष्क की कार्यशीलता के सामान्य होने के साथ-साथ उसकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। मरीज अब डिस्चार्ज किये जाने के लिए पूरी तरह से फिट है। एम्स अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. शशांक पुरवार ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीज की निःशुल्क सर्जरी की गई। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने बताया कि एम्स भोपाल द्वारा अपनी रोगी देखभाल की सेवाओं के विस्तार के लिए मूलभूत सेवाओं में निरंतर विस्तार किया जा रहा है, ताकि मरीजों को इस प्रकार की जटिल एवं उन्नत सर्जरी के लिए किसी अन्य शहर में न जाना पड़े।

वर्तमान समय में ध्यान की प्रासांगिकता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. वरुण मल्होत्रा ने की पहलुओं पर चर्चा

योग विभाग बरकतुल्लाह विश्वविध्यालय द्वारा गुरुवार प्रातः 9 बजे से वर्तमान समय मे ध्यान की प्रासांगिकता विषय पर डॉ साधना दोनेरिया विभाग, अध्यक्ष ,योग विभाग के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. वरुण मल्होत्रा, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग (एम्स, भोपाल) योगदा सत्संग उपस्थित हुए । जिन्होंने ध्यान के प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक पहलुओ पर चर्चा की और स्वयं के साथ जगत कल्याण हेतु ध्यान की विभिन्न विधियाँ बताई। कार्यक्रम में योगदा सत्सना सोसाइटी ऑफ इंडिया की योग शिक्षा के आधार पर आयोजित ध्यान, प्रार्थना, चैटिंग, मानस दर्शन, आरोग्यकारी और समापन शामिल थी। कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता रही, योगदा सत्संग द्वारा द लॉ ऑफ सक्सेस नामक पुस्तिका का वितरण किया गया। कार्यक्रम डॉ संतोष वाकोड़े, शरीर क्रिया विज्ञान के विभागाध्यक्ष, एम्स भोपाल के सहयोग से संपन्न हुआ । प्रतिभागियों को सामूहिक ध्यान में शांति, आनंद की अनुभूति हुई । परमहंस योगानंद की ऑटोबायोग्राफी ऑफ़ योगी (योगी कथामृत) पुस्तक भी दी गयी।

स म्पा द की य

घोटाले की राशि वसूली में भी लेतलाली

मध्यप्रदेश में वैसे तो तमाम बड़े घोटाले हुए हैं, लेकिन जहां एक वर्ग को लाभ पहुंचाने वाला मामला होता है, वहां यदि घोटाला हो जाए तो यह मामला गंभीर हो जाता है। प्रदेश में छात्रवृत्ति घोटालों की सूची बहुत लंबी है। अभी पैरामेडिकल छात्रवृत्ति घोटाले का मामला कोर्ट में चल रहा है। एक तो बड़ी मुश्किल से घोटाला पकड़ में आया, उस पर सरकार कालेजों से वसूली तक नहीं कर पा रही है। इस मामले में अभी तक किसी को जेल भेजा गया हो, यह जानकारी भी सामने नहीं आई है।

हाईकोर्ट में बीते दिवस मध्य प्रदेश के बहुचर्चित पैरामेडिकल छात्रवृत्ति घोटाले मामले में राज्य सरकार ने जैसे तैसे अपना जवाब पेश किया और अपने जवाब में कहा कि हमने अभी तक 24 करोड़ में से 4 करोड़ रुपए कॉलेजों से वसूल लिए है। इस जवाब पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्रा की डिविजन बैंच ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के प्रति नाराजगी व्यक्त की। हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि बीते आठ सालों से वसूली आखिर क्यों कालेजों से लंबित रखी गई है? हाईकोर्ट ने इंदौर बेंच में लंबित वसूली पर स्टे के भी सभी मामलों को तलब किया है।

मध्य प्रदेश लॉ स्टूडेन्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता विशाल बघेल ने जनहित याचिका दायर कर हाईकोर्ट को बताया था कि वर्ष 2010 से 2015 तक प्रदेश के सैकड़ों निजी पैरामेडिकल कॉलेज संचालकों ने फर्जी छात्रों को प्रवेशित दिखाकर सरकार से करोड़ों रुपए की छात्रवृत्ति की राशि हड़प कर ली थी, इस मामले में शिकायतों के बाद जब जांच हुई तो पाया गया कि जिन छात्रों के नाम पर राशि ली गई थी वह कभी परीक्षा में बैठे ही नहीं थे। इसके अतिरिक्त एक ही छात्र के नाम पर कई कॉलेजों में एक ही समय में छात्रवृत्ति निकाली गई थी।

मामले में जांच करने के बाद प्रदेश भर में सौ से ज्यादा कॉलेज संचालकों पर एफआईआर दर्ज हुई थी तथा पूरे प्रदेश में निजी पैरामेडिकल कॉलेजों से करोड़ों रुपए की वसूली के आदेश जारी हुए थे, लेकिन अधिकारियों और कॉलेजों की मिली भगत से करोड़ों रुपयों की वसूली आज तक नहीं हो सकी है। इसमें खास बात यह है कि पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप घोटाले में प्रदेश भर के कॉलेजो एवं अधिकारियों के विरुद्ध 100 से ज्यादा मुकदमे लोकायुक्त में दर्ज हैं, लेकिन मजाल है कि लोकायुक्त के मामले आगे बढ़े हों। कुछ न कुछ कारण बता कर फाइलें दबा दी जाती हैं। वैसे सच यह है कि जिन फाइलों पर वजन रख दिया जाता है, वो दब जाती हैं।

यह भी पता चला है कि जबलपुर के 5 कॉलेजों ने सरकार के रिकवरी नोटिस को सिविल कोर्ट में चैलेंज किया था और स्टे मांगा था, कोर्ट ने आवेदन खारिज कर दिया था और वसूली पर स्थगन देने से इंकार कर दिया था। पैरामेडिकल कॉलेजों की एसोसिएशन द्वारा जनहित याचिका लगाकर उनके विरुद्ध लोकायुक्त द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को चुनौती दी गयी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। यानि यह साफ है कि पैरामैडिकल कालेज चोरी और सीना जोरी वाली कहावत चरितार्थ कर रहे हैं। एक तो फर्जी तरीके से बच्चों की छात्रवृत्ति खा गए, उस पर दादागिरी।

इसमें एक पहलू यह भी है कि छात्रवृत्ति के इस घोटाले में कितने अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे, यह खुलासा नहीं हुआ। लोकायुक्त की फाइलों में कैद मामलों को सरकार भी शायद नहीं खोलना चाह रही है। ऐसा लगता है कि कालेजों का गिरोह बनाकर यह काम किया गया और आज भी किया जा रहा है। केवल पैरामेडिकल ही नहीं, पूर्व में तमाम इंजीनियरिंग और अन्य कालेजों में भी बच्चों से उनकी मार्कशीट और अन्य दस्तावेज जमा करवा कर प्रवेश न लेने के बावजूद उसके आधार पर सरकार से छात्रवृत्ति निकलवा ली जाती है। इसमें विभागों के अधिकारियों को कमीशन भी दिया जाता है। इसके बाद बच्चे अपने दस्तावेज वापस मांगते हैं तो उन्हें घुमाया जाता है। पहले सेमेस्टर की परीक्षा तक कई कालेज छात्रवृत्ति निकाल लेते हैं और फिर सरकार को बता दिया जाता है कि बच्चे ने कालेज छोड़ दिया। इस तरह का करोड़ों का घोटाला लगातार हुआ है और आज भी हो रहा है।

लेकिन पैरामेडिकल कालेजों का मामला तो उजागर हो चुका है। एक तो किसी कालेज संचालक को फर्जीवाड़े में जेल नहीं भेजा गया, उलटे संचालक दादागिरी कर मुकदमा ही खारिज करवाने में लगे हुए हैं। दूसरे, हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद सरकार उनसे वसूली नहीं कर पा रही है। क्या सरकार कमजोर पड़ रही है? या कमीशनखोर अधिकारी जानबूझकर चुप्पी साधे हुए हैं? कोर्ट की फटकार से जैसे इन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। उनकी दाढ़ में तो भ्रष्टाचार का खून लगा हुआ है। लेकिन सवाल यही है कि आखिर एक वर्ग को लाभ देने के नाम पर करोड़ों-अरबों का फर्जीवाड़ा कब तक चलता रहेगा? क्या कानून भी कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं है?

झूठ बोले कौआ काटे!

सुनो, आतंक था कितना, फिर, विलाप क्यों इतना

रामेन्द्र सिन्हा

कुख्यात डॉन से राजनेता बने माफिया अतीक अहमद और उसका भाई अशरफ कथित पत्रकार हत्यारों के कुछ उसी अंदाज में शिकार हो गए जिस अंदाज में वो दोनों अपने शिकार को निपटाते थे। कुदरत का अद्भुत इंसाफ! स्पष्ट है कि इस हत्याकांड से योगी सरकार के इकबाल को तो चुनौती मिली, लेकिन कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष का विलाप आम जनता की समझ से परे है। या, यूं कहें कि ये जनता है ये सब जानती है। राज खुल रहे, लोग खुल रहे और, अभी और खुलेंगे।

यह वही अतीक था जिसने उमेश पाल हत्याकांड में वांछित अपने बेटे असद की मौत के सदमे में होने के बावजूद धूमनगंज थाने में पूछताछ के दौरान यूपी एसटीएफ के अधिकारियों को मूंछों पर ताव देकर धमकी दी कि 'एक बार मुझे छूटने दो, जिन पुलिसवालों ने मेरे बेटे को गोली मारी है, उन्हें बता दूंगा कि गद्दी की गर्मी क्या होती है।

यह वही अतीक था जिसने उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक और तत्कालीन एसपी सिटी, इलाहाबाद ओ.पी. सिंह को 1989 में धमकी दी थी, अगर तुम मुझे गिरफ्तार करने की कोशिश करोगे तो गोली मार दी जाएगी। सिंह ने मीडिया को दिए साक्षात्कार में बताया, उसने मेरे अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और एक उप निरीक्षक के साथ दुर्व्यवहार किया। हालांकि बहस के दौरान ही उच्च-अधिकारी (बल और सरकार तथा राजनीतिक दलों में) ने शॉट्स मंगाए और उन्हें उसकी गिरफ्तारी न करने का आदेश दिया गया।

सिंह के अनुसार, उन्हें जबरदस्त राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था, इसलिए हम उसे गिरफ्तार किए बिना लौट आए। सभी पुलिसकर्मियों की सीमाएं होती हैं जिन्हें हम नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। गैंगस्टर अतीक पर करीब 130 मामलों में आरोपी होने के बावजूद उसे पहली बार पिछले महीने ही दोषी ठहराया गया था।

सिंह का मानना है कि वह धर्म के साथ चलता था और मुसलमानों में मसीहा के रूप में देखा जाता था। वह बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यक वोट बैंक का आनंद ले रहा था। राजनीतिक दल और नेताओं का संरक्षण इस हद तक था कि गवाह अपने बयान से मुकर गए और उनके खिलाफ मामले नहीं बन पाए। वास्तव में, यहां तक कि जब उनकी संलिप्तता कई मामलों में कथित या संदिग्ध थी, तब भी उनका नाम एफआईआर में शामिल नहीं होता था।

सिंह ने अहमद की शक्ति को राजनीति और माफिया के बीच घातक साठगांठ का ज़बरदस्त मिश्रण बताया। पूर्व डीजीपी ने कहा, उन्हें कई पूर्व मुख्यमंत्रियों का भी समर्थन प्राप्त था। उसके गिरोह के सदस्य उसे रॉबिन हुड जैसी शख्सियत के रूप में देखते थे।

अतीक अहमद जेल के अंदर भी अधिकारियों को गोली मारने की धमकी देता था। साल 1990 से 1994 तक प्रयागराज की नैनी जेल के इंचार्ज रहे रिटायर्ड डीआईजी एसके पांडेय के अनुसार, हम नियम से चलते थे, तो धमकी देता था कि ट्रांसफर करा लें, नहीं तो इतनी गोली मारेगा कि शरीर पोस्टमॉर्टम लायक तक नहीं बचेगा। जेल का स्टाफ तक उसका खास था। वो सिस्टम का एनकाउंटर करता था। जेल में बंद अतीक से सत्ताधारी दल के बड़े नेता, अधिकारी, वकील सभी मिलने आते थे। पांडेय कहते हैं कि हमसे पहले भी कई लोग थे किसी को गोली नहीं मारी।

विधायक राजू पाल हत्याकांड में विवेचकों पर इतना दबाव था कि कोई भी इस घटना की विवेचना नहीं करना चाहता था। चार साल में चार विवेचक बदल गए। हालांकि, अब इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। बोले तो, राजू पाल हत्याकांड के चौथे विवेचक नारायण सिंह परिहार को 2008 में 50 लाख रुपये का ऑफर दिया गया। न मानने पर दुष्कर्म में फंसाने की धमकी भी दी गई लेकिन नारायण सिंह नहीं झुके। उन्होंने न सिर्फ अतीक-अशरफ और उनके गुर्गों के खिलाफ चार्जशीट लगाई, बल्कि छह और आरोपियों को भी एफआईआर में शामिल किया, जिसमें गुड्डू मुस्लिम भी था। उनके मोबाइल पर कई बार पाकिस्तान के नंबरों से धमकी भरे फोन आए। सबसे ज्यादा दबाव गुड्डू बमबाज और अब्दुल कवि को निकालने के लिए बनाया गया।

अतीक के छह मुकदमों की विवेचना करने वाले नारायण परिहार का दावा है कि साल 2004 दिसंबर माह में पूर्व विधायक राजू पाल पर अतीक के गुर्गों ने अतीक के भाई के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया था। इस मामले की दोबारा जांच होने पर माफिया अशरफ के गुनाहों का लंबा चिट्ठा खुलकर आगे आएगा।

यह वही अतीक था, जिसके आतंक से 2012 में हाईकोर्ट के एक या दो नहीं बल्कि कुल 10 जज जमानत पर फैसला लेने से ही डर गए। इन 10 जजों ने केस की सुनवाई से ही खुद को अलग कर लिया। उस समय तक अतीक अहमद जेल में बंद था। चुनाव लड़ने के लिए उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी थी। 11वें जज ने सुनवाई की और अतीक अहमद को जमानत दे दी। जेल से बाहर आकर अतीक ने चुनाव तो लड़ा लेकिन उसका दबदबा अब पहले वाला नहीं रहा था, तो चुनाव हार गया। हराने वाला कोई और नहीं राजू पाल की पत्नी पूजा पाल थी, जिसकी 2005 में हत्या कराने के जुर्म में अतीक अहमद जेल में बंद था। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में फिर से अतीक अहमद चुनाव लड़ा। लेकिन इस बार समाजवादी पार्टी के टिकट पर इलाहाबाद से नहीं, बल्कि श्रावस्ती से। लेकिन हार का ही सामना

करना पड़ा।

यह वही अतीक था जिसने साबरमती जेल से बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम को व्हॉट्सएप चैट में धमकी दी थी कि मैं अभी मरने वाला नहीं हूं। इंशाअल्लाह, जल्द ही हिसाब शुरू कर देंगे। इतना ही नहीं इस चैट में अतीक के बेटों के वकील या डॉक्टर न बनने की बात भी कही गई है। इस मैसेज के आखिर में अतीक अहमद, साबरमती जेल भी लिखा गया है। अतीक के डर से बिल्डर मुस्लिम प्रयागराज से लखनऊ शिफ्ट हो गया था।

यह वही अतीक था, जिसका परिवार कभी बेहद गरीब था और उसके पिता तांगा चला कर गुजारा चलाया करते थे। अतीक का किस्सा ये बताता है कि अगर राजनीतिक संरक्षण मिले तो कोई अपराधी किस सीमा तक जा सकता है। वो अपना कद इस हद तक तक बढ़ा सकता है कि भारतीय राज्य और इसके सारे इंस्टीट्यूशन उसके सामने बौने पड़ जाते हैं। वह इलाहाबाद पश्चिम सीट से लगातार 5 बार विधान सभा का सदस्य चुना गया। वह फूलपुर से 14वीं लोकसभा के लिए समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुना गया।

अतीक भले ही मुसलमानों का मसीहा बना रहा हो, लेकिन जैसे अपराधी या आतंकी का कोई धर्म नहीं होता वैसे ही लूटपाट, दादागिरी, हत्या तक करने में उसके दरबार में कोई भेदभाव नहीं था। प्रयागराज के लोग आज भी 10 साल पुरानी घटना को याद करके सिहर उठते हैं। मामला ये हुआ कि अतीक ने अपने ही गुर्गे के एक रिश्तेदार अशरफ को एक अपना काम सौंपा था। किसी कारण से अशरफ ने उस काम को करने से मना कर दिया। फिर क्या था अतीक और अशरफ आग-बबूला हो गए। अतीक के भाई अशरफ ने इस पीड़ित अशरफ की प्रयागराज के चौराहे पर बेरहमी से पिटाई करके उसके हाथ-पैर तक तोड़ दिए।

मदरसा कांड 2007 में हुआ था। नारायण सिंह परिहार के अनुसार, इस मामले में अतीक के भाई अशरफ ने मदरसे से तीन लड़कियों को उठाया और फिर उनके साथ घिनौनी हरकत की थी। यह मुकदमा कोर्ट में गया, गवाही भी हुई लेकिन बाद में गवाह पलट गए। क्योंकि, अतीक अहमद और उसके गुर्गों ने लड़कियों के माता-पिता और रिश्तेदारों को परेशान किया था जिसके कारण बाद में गवाह पलट गए और केस नहीं बन पाया। उन्होंने बताया कि मैं जब जांच कर रहा था तो उस दौरान मुझे धमकियां मिली थी। कुछ लोग हमदर्दी में आकर भी कहते थे कि सांसद जी से मत उलझो।

प्रयागराज की जयश्री की न केवल साढ़े 12 बीघा जमीन फर्जी कागजात से हथिया ली, बल्कि 2016 में उनको और उनके बेटे को गोली मारी गई। उनके भाई को तो करंट लगा कर मार डाला गया। जयश्री ने शिकायत भी दर्ज कराई लेकिन, कार्रवाई की मांग करने पर उन्हें भगा दिया जाता था। सलाह दी जाती थी कि समझौता कर लो वर्ना तुम्हारे बच्चे मारे जाएंगे। जयश्री को अब न्याय की उम्मीद जगी है।

प्रयागराज की ही सूरजकली पर अतीक ने अपना अत्याचार इस कदर ढाया कि रुह कांप जाए। अतीक के गुर्गे एक दिन आए और जमीन पर जबरन कब्जा जमा लिया। हालांकि, जब सूरजकली ने इसका विरोध जताया तो उसकी पति की हत्या करवा दी। सूरजकली के अनुसार, अतीन ने उसे खुद बुलाया और कहा था कि अब तुम्हारा पति नहीं है। हम तुम्हारा अच्छे से देखभाल करेंगे। तुम्हारे पास जो भी संपत्ति हो, मेरे नाम पर लिख दो।

प्रयागराज की पुष्पा सिंह का प्रयागराज में एक घर था। वह कसारी-मसारी इलाके में अपने पति के साथ रहती थीं। पुष्पा सिंह के अनुसार, पति नौकरी करते थे, लेकिन एक दिन पता चला कि उनका ट्रांसफर ऑर्डर आया है। इस वजह से उन्हें प्रयागराज छोड़कर कानपुर जाना पड़ा। उन्होंने घर में ताला मार रखा था। लेकिन, जब एक दिन वह कानपुर से वापस लौटे तो देखा कि अतीक के गुर्गों ने उनकी जमीन पर कब्जा जमा लिया है। घर को भी ध्वस्त कर दिया है।

अतीक का बेटा अली भी पिता के नक्शे कदम पर चल रहा था। जीशान नामक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अली अपने गुर्गों के साथ उसके घर आया और कनपटी पर पिस्टल लगाकर पांच करोड़ की रंगदारी मांगी। जब उसने रंगदारी देने से मना कर दिया तो अली ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस दौरान उसने दहशत फैलाने के इरादे से कई राउंड फायरिंग भी की। और तो और, छोटे भाई असद के एनकाउंटर और पिता तथा चाचा की हत्या के बाद अली ने 'तीनों शूटरों को छोड़ूंगा नहीं' यह कहते हुए हिसाब चुकता करने की धमकी भी दी। अतीक गैंग की रंगबाजी के किस्से अनगिनत हैं।

झूठ बोले कौआ काटे: अतीक और उसके गिरोह के कारनामें ये बताते हैं कि अगर राजनीतिक संरक्षण मिले तो कोई अपराधी किस सीमा तक जा सकता है। वो अपना कद इस हद तक बढ़ा सकता है कि भारतीय गणराज्य और इसकी सारी संस्थाएं उसके सामने बौनी नजर आती हैं। ये अपराधी तथाकथित माननीय बन कर और रंगबाजी से नृशंस और घृणित घटनाओं को तो अंजाम दे ही रहे थे, विदेशी ताकतों से भी हाथ मिलाए बैठे हुए थे।

अतीक के खासमखास बमबाज गुड्डू मुस्लिम के बारे में कहा जाता है कि पाकिस्तान से अवैध हथियारों की ड्रोन से भारत में तस्करी में वह अतीक गैंग का प्रमुख लिंक है। उसे पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण की बात भी आई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने रिमांड की कॉपी में खुलासा किया है कि माफिया अतीक अहमद पाकिस्तान से हथियार खरीदता था।

इन माफियाओं-बाहुबलियों का दुर्भाग्य कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में गोरक्षनाथ पीठ के महंत योगी आदित्यनाथ से पाला पड़ गया। योगी सरकार की जीरो टालरेंस की नीति का ट्रेलर कानपुर के बिकरू कांड में सबने देखा भी। लेकिन, पार्षद उमेश पाल की सनसनीखेज हत्या और विपक्ष द्वारा इसे राजनीतिक रंग दिए जाने के बाद सीएम योगी ने भी माफियाओं-अपराधियों को मिट्टी में मिला देने का जो ऐलान विधानसभा में कर दिया, उसके परिणाम धड़ाधड़ आने लगे। एनकाउंटर, धरपकड़ और पूछताछ में कुछ राज फाश होने लगे थे।

रिमांड कॉपी के अनुसार अतीक अहमद ने पुलिस के सामने 161 के बयान में पूछताछ के दौरान कबूला है कि उमेश पाल की हत?या उसी ने करवाई, और जेल में इसकी पूरी साजिश रची गई। साबरमती जेल में पत्नी शाइस्ता परवीन से मुलाकात के दौरान अतीक ने उससे अपने मंसूबे जाहिर किए और नए मोबाइल फोन और सिम मुहैया करवाने को कहा। अतीक ने जेल में एक सरकारी आदमी का नाम भी बताया कि किसके हाथ ये मोबाइल फोन और सिम कार्ड जेल में पहुंचेंगे। अतीक ने यह भी बताया कि बरेली जेल में बंद उसके भाई अशरफ को भी मोबाइल और सिम शाइस?ता परवीन ने ही मुहैया कराया था।

तो, क्या अतीक-अशरफ कुछ और बड़े राज खोलने वाले थे, जिससे डर कर किसी तीसरी शक्ति ने उनका किस्सा खत्म करने की सुपारी प्रशिक्षित युवा हत्यारों को दे दी। उनकी पृष्ठभूमि, उनके पास प्रतिबंधित अत्याधुनिक महंगे हथियार का होना और उनके हमले की स्टाइल यही संकेत देती है। तीसरी शक्ति आईएसआई भी हो सकती है और स्थानीय राजनीतिक संरक्षक भी।

विचारणीय यह भी है कि माफियाओं-अपराधियों को जनता कब तक नेता चुन कर लोकतंत्र की हत्या अपने हाथों करती रहेगी। अपराधियों के मानवाधिकार के लिए आवाज उठाने वालों की आवाज तब क्यों नहीं उठी जब कितने निरीह लोगों का उत्पीड़न हो रहा था?

इस हत्याकांड को कानून-व्यवस्था फेल होने का तमगा, राजनीतिक-धार्मिक रंग देने की कोशिशों के बावजूद एसआईटी और न्यायिक जांच से शायद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए हो जाए, पर इंडियन फेडरेशन आफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष के. विक्रम राव ने सही चिंता व्यक्त की है की टीवी रिपोर्टर के छद्म वेश में तीन शोहदों द्वारा माफिया अहमद-ब्रदर्स (अतीक और अशरफ) को भून देना, श्रमजीवी पत्रकारों के लिए वीभत्स हादसा है, एक गंभीर चेतावनी है।

श्री राव का कहना है कि हालांकि भारत सरकार का गृह मंत्रालय सुरक्षा की दृष्टि से जोखिम भरी घटनाओं की रिपोर्टिंग पर नियमावली तत्काल जारी कर रहा है। लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर पहरा तो बढ़ा दिया गया है। मगर मूल मसला है कि पत्रकार का कार्ड शासन ने थोक में अंधाधुंध जारी किया है। राजधानी में ही हजार हो गए हैं। कैसे? क्यों? सूचना निदेशालय हुलिया देखकर मान्यता देना बंद करे। ये तीन कथित संवाददाता फर्जी पहचानपत्र, वीडियो कैमरा, माईक आदि लिए थे। इनमें लवलेश तिवारी तो अपने आप को महाराज कहता है। उसकी आयु महज 22 साल है, जब कि मान्यता कार्ड पाने के लिए कम से कम पांच वर्ष का पत्रकारी कार्य होना अनिवार्य है। अर्थात् फर्जी था। दूसरा हत्यारा अरुण मौर्य तो केवल 18 का है।

जातिगत जनगणना, विकास आग्रही या समाज विरोधी घटना

सरयूसुत मिश्रा

राहुल गांधी ने पिछले दिनों कर्नाटक के कोलार में जनसभा में इसका समर्थन करते हुए सरकार से जातिगत जनगणना कराने की मांग की है. कोलार वही जगह है जहां पिछले चुनाव में मोदी सरनेम के विरुद्ध की गई टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि के आरोप में सजा मिलने के कारण राहुल गांधी को अपनी लोकसभा की सदस्यता गंवानी पड़ी है. सूरत के सेशन कोर्ट में भी उनकी सजा माफ़ नहीं हुई है।

बीजेपी ने इस मानहानि के मामले को पिछड़े वर्गों के अपमान से जोड़ते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया है. कर्नाटक चुनाव में भी बीजेपी इसको उछाल रही है. शायद इसी मामले की काट के लिए कांग्रेस ने जातिगत जनगणना का समर्थन कर पिछड़े वर्गों को अपने पक्ष में प्रभावित करने का प्रयास किया है।

हर राजनीतिक दल सामाजिक आधार को राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग करता रहा है. जातिगत जनगणना के इतिहास पर अगर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि ब्रिटिश काल में 1931 में पहली बार जातिगत जनगणना भारत में हुई थी. उसके बाद 1941 में भी जातिगत जनगणना की गई थी लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं हो पाए थे. देश के स्वतंत्र होने के बाद जातिगत जनगणना नहीं की गई. केवल अनुसूचित जाति एवं जनजाति को ही गिना गया. जनगणना का यही स्वरूप कमोबेश अभी तक चला आ रहा है।

जातिगत जनगणना का उपयोग संवैधानिक आरक्षण देने के लिए ही अब तक किया गया है. एससी-एसटी की जनगणना तो हर जनगणना में की ही जाती है. पिछड़े वर्गों के लिए पहली बार 1953 में काका कालेलकर आयोग बनाया गया था. 1931 की जातिगत जनगणना के आधार पर इस आयोग ने देश में पिछड़े वर्गों का हिसाब लगाया लेकिन इस आयोग ने पिछड़ेपन को जातिगत आधार पर मानने से इंकार कर दिया।

यह आयोग केवल इतिहास की एक घटना बन गई. 1978 में मोरारजी देसाई की जनता पार्टी सरकार में बीपी मंडल की अध्यक्षता में एक पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया गया. इस आयोग ने 1980 में अपनी रिपोर्ट दी थी. मंडल आयोग की रिपोर्ट 9 साल तक ठंडे बस्ते में रखी गई. प्रधानमंत्री बनने के बाद वीपी सिंह ने मंडल कमंडल की राजनीति में मंडल आयोग की एक सिफारिश के आधार पर अन्य पिछड़े वर्गों को सरकारी नौकरियों में 27त्न आरक्षण देने का निर्णय लागू कर दिया. बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस आरक्षण को वैध ठहराया और आरक्षण की अधिकतम सीमा को 50त्न निर्धारित कर दिया. 2006 में फिर अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी नौकरियों की तरह सरकारी शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण दिया गया।

यूपीए सरकार के समय पिछड़े वर्ग के नेताओं की मांग पर जातिगत जनगणना की बात तेजी से सामने आई लेकिन उस समय की सरकार ने जातिगत जनगणना को स्वीकार नहीं किया. लालू यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं के दबाव में यूपीए सरकार ने सोशियो-इकोनोमिक एंड कास्ट सेंसस के नाम पर जनगणना कराई. इस पर लगभग 5000 करोड़ रुपए खर्च किए गए. इस डाटा का अभी तक कोई भी सार्वजनिक उपयोग दिखाई नहीं पड़ा है।

बिहार और उत्तर प्रदेश में ओबीसी वोट बेस वाली पार्टियां जातीय जनगणना की मांग लगातार उठाती रही हैं. बिहार में तो राज्य स्तर पर जनगणना का काम नीतीश सरकार ने शुरू कर दिया है. समाजवादी पार्टी भी जातिगत जनगणना का उपयोग अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने के लिए लगातार उठा रही है।

आजादी के बाद देश में 50 साल से अधिक कांग्रेस या कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार ने शासन संचालन किया है. कांग्रेस के नेतृत्व में कभी भी जातिगत जनगणना का समर्थन नहीं किया. यदि कांग्रेस चाहती तो इतने लंबे शासनकाल में क्या जातिगत जनगणना नहीं कराई जा सकती थी? अब राहुल गांधी पिछड़े वर्गों के अपमान के मामले में राजनीतिक रूप से कटघरे में घिर गए हैं तो शायद उससे निपटने के लिए बिना कोई राजनीतिक सोच विचार के जातिगत जनगणना का कांग्रेस समर्थन कर रही है।

कांग्रेस हिंदुत्व की राजनीति पर जिस तरह से मतिभ्रम की स्थिति में दिखाई पड़ती है वैसे ही जातिगत जनगणना में भी दिखाई पड़ रही है. हिंदुत्व के सामने सॉफ़्ट हिंदुत्व के कांग्रेस की राजनीति को कभी

भी सफलता मिलती नहीं दिखाई पड़ी. ऐसे ही सॉफ्ट जातिवादी राजनीति के मामले में भी कांग्रेस को भविष्य में परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

बीजेपी का जहां तक सवाल है उसने हिंदुत्व की राजनीति के अंतर्गत हिंदू एकीकरण और विकास को समाहित कर एक ऐसा राजनीतिक कैनवास तैयार किया है कि जिसमें जातीय विभाजन का कोई भी प्रयास नुकसानदेह हो सकता है. विपक्षी पार्टियां बीजेपी की इसी राजनीतिक एकीकरण के प्रयास को ध्वस्त करने के लिए जातिगत जनगणना को तूल दे रही हैं।

पिछले दशक के लोकतांत्रिक संकेतों को यदि देखा जाए तो ऐसा लगता है कि बीजेपी का राजनीतिक एकीकरण का सिद्धांत कारगर साबित हो रहा है. अभी हाल ही में यूपी के चुनाव में ओबीसी बेस वाली सपा और लोकदल ने गठबंधन कर लिया था. तब ऐसा लगने लगा था कि शायद इसके कारण बीजेपी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है लेकिन चुनाव परिणामों ने इस जातीय राजनीति को दरकिनार करते हुए राजनीतिक एकीकरण की बीजेपी की रणनीति की सफलता को सिद्ध कर दिया था।

जातिगत जनगणना का मुख्य उद्देश्य जातियों को दिए जाने वाले आरक्षण का वैधानिक डाटा एकत्रित करने का हो सकता है. अनुसूचित जाति और जनजाति के मामले में तो प्रत्येक जनगणना में नए आंकड़े प्राप्त हो जाते हैं. इन जातियों के अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बुनियादी डाटा तो उपलब्ध ही है. अब इन जातियों को अधिक आरक्षण देने का राजनीतिक लॉलीपॉप देने के लिए जातिगत जनगणना को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है।

अस्तित्वगत रूप से देखा जाए तो पुरुष और स्त्री जाति बुनियादी तथ्य है. अभी तक संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण नहीं हो सका है. कोई भी राजनीतिक दल महिला आरक्षण को लागू करने में रुचि प्रदर्शित नहीं कर रहा है. अगर यह मान भी लिया जाए कि जातिगत जनगणना हो जाएगी तो क्या किसी भी जाति में शामिल सभी उपजातियों को आरक्षण का समानुपातिक लाभ मिल पायेगा?

अभी तक यही होता रहा है कि जिन भी वर्गों को आरक्षण प्राप्त है उनमें अति गरीब और अति पिछड़े समूहों को तो शिक्षा का लाभ ही नहीं मिल सका है फिर उन्हें आरक्षण का लाभ मिलने का तो सवाल ही नहीं है. आरक्षित वर्ग की कुछ खास जातियां और समूह आरक्षण का अधिकांश हिस्सा हासिल कर लेते हैं. सबसे पहले तो आरक्षण का लाभ समुदाय की सभी जातियों और समूहों तक पहुंचाने के लिए कोई न्यायपूर्ण व्यवस्था करने की जरूरत है।

ओबीसी के मामले में भी यही स्थिति है. ओबीसी में जितनी भी जातियां शामिल हैं क्या उन सभी जातियों को वर्तमान में आरक्षण का लाभ मिल रहा है? इन वर्गों की कुछ जातियां ही आरक्षण का लाभ लेकर महत्वपूर्ण स्थानों पर काबिज हो रही हैं. जहां तक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से पिछड़े पन को दूर करने के लिए नीतियों के निर्माण में जातिगत जनगणना के डेटा की आवश्यकता का प्रश्न है तो इस तरह के डाटा तो बिना जाति के भी प्राप्त किया जा सकता है. उस डाटा के आधार पर नीतियों का निर्माण हो सकता है।

कांग्रेस यह भी कह रही है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए और आरक्षण की 50त्न की सीमा को समाप्त कर जातियों की जनसंख्या के हिसाब से आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए. बीजेपी ने तो आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को भी आरक्षण दे दिया है. राजनीतिक आधार के लिए नैतिक-अनैतिक किसी भी तरीके से की जा रही जाति की राजनीति की प्रवृत्ति समाज के लिए न केवल घातक है बल्कि विभाजनकारी भी है।

इंडिया आज जनसंख्या की दृष्टि से दुनिया का सबसे पहला राष्ट्र बन गया है. इंडिया राष्ट्र के रूप में आज दुनिया में अपनी प्रगति और भूमिका से महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंच गया है. दुनिया मानती है की इंडिया मींस राष्ट्र और हमारे राजनेता इसके विपरीत ऐसा आचरण कर रहे हैं कि जैसे इंडिया मींस कास्ट. जातीय वैभव को राष्ट्र वैभव के रूप में उभार कर राजनीतिक लाभ की कोशिशें अंततः किसी को भी मजबूत नहीं करेंगी।

जातिगत राजनीति की प्रवृत्ति अगर हतोत्साहित नहीं की गई तो गांव-गांव और शहर-शहर जातियों के नाम पर बस्तियां और मोहल्ले जो खत्म हो रहे हैं उन्हें राजनीति फिर से बसाने का महापाप करेगी. राजनीति पर तो भरोसा नहीं किया जा सकता लेकिन लोक पर भरोसा निश्चित रूप से करना चाहिए. पहले भी राष्ट्र के सामने जब जब इस तरह के संकट राजनीति द्वारा पैदा किए गए हैं तब लोकतंत्र ने ऐसी ताकतों को नकारा है. सामाजिक न्याय के नाम पर सामाजिक अन्याय अब राजनीति का एजेंडा बन गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बड़ी कार्यवाहीः अपराधों पर अंकुश लगाने थोकबंद जिलाबदर व एनएसए प्रस्तावित

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को जुआ, सट्टा, अवैध मादक पदार्थों, अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अपनाने पर जोर दिया जा रहा है । पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह के निर्देशन एवं अति. पुलिस प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा माफियांओं के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है,इसको और प्रभावी बनाने के लिये पुलिस अधीक्षक भदौरिया द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी अपने क्षेत्र मे जुआ, सट्टा, अवैध मादक पदार्थ रखने बालों, अवैध हथियार रखने बाले एवं क्षेत्र के अपराधित प्रवृत्ती के लोगों पर जिला बदर एवं एनएसए की कार्यवाही करें, जिससे क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनी रहे व होने वाले अपराधों को समय से पूर्व रोका व कम किया जा सके । जिसके पालन में पुलिस द्वारा लगभग आधा सैकड़ा से अधिक विभिन्न अपराधों के आरोपियों पर जिलाबदर व एनएसए की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।इस कार्यवाही के तहत जुआ एवं सट्टा चलाने बाले 09 आरोपियों पर जिला बदर की कार्यवाही, अवैध हथियार रखने बाले 01 आरोपी पर जिला बदर एवं 01 पर एनएसए की कार्यवाही, अवैध मादक पदार्थों को रखने व बेचने बालों मे से 03 पर जिला बदर एवं 01 आरोपी पर एनएसए की कार्यवाही, अवैध शराब बेचने एवं रखने बाले 11 आरोपियों के खिलाफ जिला बदर एवं 01 आरोपी के खिलाफ एनएसए की कार्यवाही, क्षेत्र मे अशांति फैलाने बाले 22 गुंडों पर जिला बदर एवं 05 गुंडों पर एनएसए की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है ।

10 ऑटो स्टैंड चुने, फुटपाथी विक्रेताओं को मिलेंगे हॉकर्स जॉन

शिवपुरी - कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया द्वारा शहर को बड़े शहरों जैसा बनाने की सोच को लेकर हॉकर्स जॉन एवं ऑटो स्टेण्ड बनाने के लिए शासन-प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए थे,जिससे शहर व्यवस्थित रूप से बड़े शहरों की तरह दिखे। मंत्री राजे द्वारा जिलाधीश रविन्द्र कुमार चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया एवं नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा को कहा गया था कि शहर में थीम रोड़ सहित अन्य सड़कों पर बेतरतीब खड़े होने वाले वाहनों को सुव्यवस्थित करना हैं।इतना ही नहीं ऑटो स्टेण्ड एवं फुटपाथ पर बैठने फुटकर विक्रेताओं को हॉकर्स जॉन बनाया जाए जिससे शहर चौड़ी सडक़ बनी रहे। जिस पर गुरुवार को नपाध्यक्ष गायत्री शर्मा एवं यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव द्वारा शहर ने व्यवस्थित ऑटो स्टैंड बनाने के लिए शहर के 10 ऑटो स्टैंड को चयनित किया गया।जिला अस्पताल के सामने, पोहरी बस स्टैंड, ग्वालियर बाईपास, गुना बाईपास, आईटीआई तिराहा, झांसी तिराहा, दो बत्ती चौराहा, फिजिकल तिराहा, पुराना बस स्टैंड एवं न्यू ब्लॉक यह 10 ऑटो स्टैंड अभी चिन्हित कर लिए गए हैं, जिनको नगर पालिका के द्वारा बोर्ड एवं पेबर्स लगाकर तैयार किया जाएगा। शहर में व्यवस्थित ऑटो स्टैंड बनने के बाद ऑटो स्टैंड पर ही खड़े होंगे जिससे यातायात व्यवस्था भी सुधरेगी। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा, यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, एसआई योगेश शर्मा, देवेंद्र त्रिवेदी एवं नगरपालिका और यातायात का स्टाफ मौजूद रहा।

कलेक्टर अनुराग वर्मा को ज्ञापन दिया

सतना। विगत दिनों सतनाशहर में प्रमोद गुप्ता द्वारा आत्महत्या कर ली गई थी इस आत्महत्या से पूरा शहर हिल गया प्रमोद गुप्ता ने आत्महत्या कर शहर में एक सनसनी फैला दी और वैश्यसमाज द्वारा मृतक की पुत्री के आधार पर बयानबाजी शुरू की और कांग्रेस और अन्य पार्टियों को बैठे-बैठे एक मुद्दा मिल गया और उन्होंने सारा ठीकरा प्रशासन के ऊपर फोड़ दिया।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट का किया आकस्मिक निरीक्षण

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर के द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न शाखाओं का प्रातः 10:30 बजे किये गये आकस्मिक निरीक्षण में कार्यालय में अनुपस्थित रहने और समय से कार्यालय में उपस्थित नही होने पर 117 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। साथ ही उपस्थित पंजी का भी परीक्षण किया गया। इस आकस्मिक निरीक्षण से कलेक्ट्रेट छतरपुर के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक मनोहर लाल चौरसिया, प्रभारी सहायक अधीक्षक कृपा मरकाम सहित 49 सहायक ग्रेड-02,-03, 29 भृत्य, 2 आबकारी आरक्षक, 8 राजस्व निरीक्षक, 4 पटवारी, 6 बीएलआई सहित 1 कार्या. सहा. ऑपरेटर, अकाउंटेन्ट, डीएमए, वाहन चालक, सिपाही, ऑपरेटर, पीसीओ, दफ्तरी, अनुरेखक, जेडीओ, चैनमेन, श्रमिक एवं 3 स्थायीकर्मियों सहित 117 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने कर्मचारियों के इस आचरण से सिविल सेवा आचरण नियम के तहत गंभीर लापरवाही मानते हुये अनुपस्थित पाए गए शासकीय सेवकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिसमें 03 दिवस के अन्दर लिखित उत्तर प्रस्तुत करने सहित उक्त कृत्य के लिए क्यों न एक दिवस की वेतन काटी जाए का उल्लेख किया गया है। प्रतिउत्तर नियत समयावधि में प्राप्त नहीं होने अथवा संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सिर्फ योजना नहीं सामाजिक क्रांति हैः मुख्यमंत्री

महिला सशक्तिकरण के लिए चल रहे अभियान में बहनों का अपार जन-समर्थन

सिवनी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में बहनों की जिंदगी बदलने का महा अभियान चल रहा है। सरकार ने अब लाड़ली बहना योजना बनाई है, जिसमें गरीब और निम्न मध्यम वर्ग की महिलाओं को प्रति माह 1000 रूपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना सिर्फ योजना नहीं एक सामाजिक क्रांति है। मेरी बहनों को अब अपनी छोटी-मोटी जरूरतें पूरी करने के लिए किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना होगा। यह एक भाई का अपनी बहन के लिए उपहार है, जो उन्हें केवल रक्षाबंधन पर नहीं, पूरे वर्ष मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज सिवनी जिले के केवलारी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना महासम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने 129 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना के पट्टे हितग्राहियों को वितरित किए। हितग्राहियों को अन्य योजनाओं में हितलाभ भी वितरित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए चल रहे अभियान में मेरी बहनों का अपार जन-समर्थन मिल रहा है। आज भी यहाँ टेंट छोटा पड़ गया है। मैं अपनी बहनों के प्यार, स्नेह और समर्थन के लिए दिल से आभारी हूँ। भाई-बहन का रिश्ता अद्भुत रिश्ता है। मैंने प्रण किया है कि मैं अपनी बहनों की आँखों में आँसू नहीं आने दूँगा। आज मैं आपसे मन की बात कहने आया हूँ,

भाषण देने नहीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्राचीन भारत में महिलाओं की बहुत इज्जत और सम्मान था। मध्य काल में इसमें कमी आई और बेटियों के साथ भेदभाव और अन्याय किया जाने लगा। मैं बचपन से बेटियों के प्रति भेदभाव देखता आया हूँ। तभी मैंने प्रण लिया था कि इस भेदभाव और अन्याय को समाप्त करूंगा। मैं इसे पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा हूँ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में सबसे पहले लाड़ली लक्ष्मी योजना बनाई गई और बेटियों को उनके जन्म के समय 30 हजार का बचत-पत्र खरीद कर दिए जाने लगा। इसमें समय-समय पर उन्हें पढ़ाई के लिए राशि मिलती है और 21 वर्ष की आयु पूरी होने पर उन्हें एक लाख रूपये एकमुश्त मिलते हैं। आज मध्यप्रदेश में 44 लाख से अधिक लाड़ली लक्ष्मी हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश में पंचायत और स्थानीय निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप आज ग्राम पंचायतों से लेकर जिला पंचायतों तक मेरी बहनें सरकार चला रही हैं। जमीन, जायदाद बहनों के नाम से करने पर रजिस्ट्री शुल्क 1 प्रतिशत ही लिया जाता है। पुलिस और शिक्षकों की भर्ती में भी बेटियों को आरक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना में गरीब बहनों की शादी सरकार करवाती है। संबल योजना में भी बहनों को लाभ दिया जाता है।

योजना÷ जैसी कल्याणकारी योजना प्रदेश में संचालित करने के लिए धन्यवाद तख्ती के माध्यम से अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। वहीं केवलारी की बहनों ने भैय्या शिवराज को अपने हाथों से लिखी पाती भी सौपीं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के केवलारी आगमन पर लाड़ली बहनों ने उनकी अगवानी की। 50 से अधिक संख्या में लाड़ली बहनो ने स्कूटी में सवार होकर मुख्यमंत्री श्री चौहान के कारकेट को हेलीपेड से मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुँचाया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, राज्यसभा सांसद कविता पाटिदार, विधायक केवलारी राकेश पाल, विधायक सिवनी दिनेश राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डहेरिया, मण्डला जिले के विधायक देवीसिंह सैयाम, पूर्व सांसद नीता पटेरिया, पूर्व विधायक नरेश दिवाकर सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर क्षितिज सिंघल, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति रही।

दिव्यांगजनों के लिए जिला प्रशासन विशेष फोकस में कर रहा कामः कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में दिव्यांग जिला सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यरूप से दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण, यूडीआईडी, रोजगार एवं स्वरोजगार तथा समस्याओं का त्वरित निराकरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर संदीप जी.आर. ने समिति के सदस्यों को बताया कि जिला प्रशासन दिव्यांगों के लिए विशेष पहल करते हुए फोकस के साथ कार्य कर रहा है। हर सुविधाओं में कुछ न कुछ विशेष पहल दिव्यांगों के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में डीडीआरसी के माध्यम से कार्य चल रहा है और सीआरसी भी शुरू हो चुका है। साथ ही वर्तमान में ट्राईसाइकिल देने के लिए परीक्षण शिविर भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्पर्श पोर्टल में टारगेट अनुरूप 15 हजार के लगभग रजिस्ट्रेशन होने के बाद भी टारगेट से आगे जाकर 20 हजार लगभग दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनाकर दिए गए। यूडीआईडी कार्ड की सुविधा के लिए हर दिन मेडीकल बोर्ड के परीक्षण उपरांत उसी दिन कार्ड बनाकर दिया जा रहा है। जिससे दिव्यांगजनों को परेशानी से मुक्ति मिली है। साथ ही सार्वजनिक स्थलों बैंकों पार्कों को फ्रेन्डली बनाया जा रहा है। खजुराहो को देश का पहला दिव्यांगों के घूमने अनुरूप बाधारहित शहर बनाने के लिए काम चल रहा है। शासकीय भवनों कार्यालयों में रैम्प बनाए गए हैं व सड़कों पर फुटपाथ बनाए जा रहे हैं एवं नवाचार करते हुए जनसुनवाई में भी अलग से समस्याएं सुनी जा रही है और निराकरण हो रहा है। साथ ही सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया है।

कलेक्टर जीआर ने सभी के सुझाव व समस्याएं सुनने के बाद अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक मयंक अग्रवाल ने 2 बीआरसीसी तथा 4 जनशिक्षकों को किया निलंबित

दमोह । दमोह जांच समिति विकासखण्ड जबेरा, पथरिया, हटा एवं पटेरा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर तत्कालीन बी.आर.सी.सी. एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा शिक्षण सत्र 2021-22 के लिए स्कूल स्तर से किए गए व्ययों के भुगतान के संबंध में निर्धारित रीति-नीति एवं नियमों तथा प्रक्रिया का पालन नही किए जाने के आरोप में कलेक्टर सह जिला मिशन संचालक मयंक अग्रवाल ने 2 बीआरसीसी तथा 4 जनशिक्षकों यथा जनशिक्षक किशुनगंज कमलेश पटेल, माध्यमिक शिक्षक बरधारी विकासखण्ड पथरिया प्रभुदयाल पटेल, जनशिक्षक विकासखण्ड हटा आशीष जैन एवं बेनी प्रसाद पटेल, तत्कालीन बी.आर.सी.सी. क्रमशः जबेरा एवं पटेरा यथा राजेश कुमार उपाध्याय एवं रामसींग ठाकुर को को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया हैं।

जारी आदेश में कहा गया है जाँच में यह भी पाया गया कि एक से अधिक स्थानों पर संबंधित विकासखण्ड के बी.आर.सी.सी. द्वारा स्वयं सामग्री क्रय करके देयक तैयार कराए गए और शाला स्तर पर प्रेषित किए गए तथा संबंधित शाला प्रमुखों पर दबाव बनाकर उनसे अभिलेख हस्ताक्षरित कराए गए और रिकार्ड संधारण के लिए कहा गया। यह भी पाया गया कि भण्डार क्रय एवं वित्तीय मैन्युअल का पालन नहीं किया गया है। अभिलेखीकरण में शाला स्तर से शाला प्रमुखों द्वारा लापरवाहियां की गयी हैं। ज्ञातव्य है समग्र शिक्षा योजना अंतर्गत राशि जारी करने की प्रक्रिया में राज्य शिक्षा केंद्र स्तर से परिवर्तन किया गया, परिवर्तित वित्तीय व्यवस्था के अनुसार शासकीय शालाओं के बैंक खातों में शेष राशि को राज्य शिक्षा केंद्र के एसएनए आकाउंट में वापिस करने, विभिन्न एजेंसियों के जीरो बैलेश के खाते खोले जाने तथा एजेंसियों के समस्त प्रकार के बैंक खातों को पीएफएमएक पोर्टल पर दर्ज करते हुए पीएफएमएक पोर्टल के माध्यम से ही व्यय किए जाने के निर्देश प्रसारित किए गए थे। इस हेतु शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं तथा बी.आर.सी.सी. कार्यालय के कार्यालयीन व्यय हेतु जनपद शिक्षा केंद्रों में कार्यरत बी.आर.सी.सी. की व्यय सीमा 02 करोड़ रूपये निर्धारित की गयी थी।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने बताया निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला स्तर से विभिन्न मदों (यथा-स्कूल कम्पोजिट ग्रांट, स्पोर्ट्स ग्रांट, स्कूल सेफ्टी ग्रांट, एस.एम.सी. की ट्रेनिंग, मीडिया एक्टीविटी, सेल्फ डिफेंस, सी.सी.ई. एक्टीविटी, प्रतिभा पर्व मूल्यांकन, शाला निधि एक्सपेण्डीचर, एडीशनल स्कूल रूम, स्कूल बिल्डिंग, मेजर रिपेयरिंग, हेण्डवाश यूनिट, टॉयलेट, विद्युत, अन्य सिविल वर्क एवं एस.एम.सी.स्तर के अन्य व्यय) में राशि व्यय करना थी। शाला स्तर से किए जाने वाले व्ययों के देयक बी.आर.सी. कार्यालय में संबंधित शाला प्रमुख द्वारा प्रस्तुत किए जाना थे एवं बी.आर.सी.सी. द्वारा अपनी लॉगिन आई.डी. के माध्यम से संबंधित देयकों का पीएफएमएक पोर्टल के माध्यम से भुगतान किया जाना था।

संत समागमः संतों का काम चुनाव लडना नहीं, सब पद छोड़कर केवल धर्म का पद लेकर चलेंः उत्तम स्वामी महाराज

खरेली। गुरूवार को पिपलेश्वर महादेव सेवा समिति एवं नर्मदा भक्तिपंथ परिवार के संयुक्त प्रयासो से नंदीश्वर प्राण प्रतिष्ठा और संतों का समागम महारूद्राभिषेक विप्रो का सम्मान एवं स्मारिका विमोचन का आयोजन मार्केट सोसाइटी प्रांगण में आयोजित किया गया गौरतलब है कि बरेली के इतिहास में पहली बार विशाल संत समागम हुआ एक मंच पर एक साथ नर्मदा अंचल क्षेत्रों में विभिन्न जगह साधना कर रहे संत पहुंचे 7 सभी संतो ने अपने आशीष वचनों से ज्ञान की गंगा बहाई इस बीच कामतौन में चल रही कथा के बाद श्री श्री 1008 परम पूज्य गुरुदेव अनंत विभूषित महामंडलेश्वर महर्षि उत्तम स्वामी महाराज संत समागम में शामिल हुए उन्होंने कहां कि जिस दिन संत एकत्रित हो जाते हैं उस दिन अधर्म टिकता नहीं है धर्म की ध्वजा लेकर चलने वाले संत शंकराचार्य महाराज अकेले 13 सौ साल 14 सौ साल पहले अकेले निकले आज हम जो माथे पर तिलक देख रहे हैं यह शंकराचार्य महाराज के आशीर्वाद का प्रमाण हैं नागालैंड मेघालय सहित आज कई देशों ने हमारे धर्म को हटाकर अपने धर्म का कब्ज कर आपके धर्म का नामोनिशान मिटा दिया है में सभी संतो से कहूंगा कि एक बार शंकराचार्य जैसा डंडा लेकर भारत की परिक्रमा कर ले तो सनातन धर्म की ध्वजा लहरा जाएगी शंकराचार्य ने 12-13 अखाड़ों इसलिए बनाए हैं कि जिस से धर्म की सुरक्षा हो कोई दोष दृष्टि से आपके सनातन धर्म को ना देखें लेकिन आज संता प्रतिष्ठा और सम्मान के पीछे दौड़

रहे हैं जिस कारण धर्म की रक्षा में हम पीछे है जो भारत के लिए जीता है वह जीवन पर्यंत जीवित रहता है आज शंकराचार्य महाराज हमारे मध्य में जीवित हैं में सभी संतो से कहूंगा कि किसी भी संत को विधायक पद सांसद मंत्री पद सारे पदों को छोड़कर केवल धर्म का पद लेकर चलें यही जीवन का सिद्धांत होना चाहिए ए हमारा काम नहीं है चुनाव लड़ना पद प्राप्त करना इसके लिए रामपाल सिंह है देविन्द पटेल है सहित दुनियाभर के लोग हैं इनके लिए छोड़ दो हम तो सिर्फ साधना करें भजन करें समाज को संदेश दे समाज को सुधारने का काम करें उस परमात्मा को प्राप्त करने का यही सिद्धांत माना जाता है । संत समागम में मध्य प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत, विधायक देवेन्द्र सिंह पटेल, पूर्व विधायक रामकिशन पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत चौधरी, ठाकुर हरनाम सिंह राजपूत, डॉक्टर देवेंद्र धाकड़, पवन रंघुवशी, नेपाल सिंह राजपूत, शेरसिंह चौधरी,विक्की राजपूत, राजेन्द्र ठाकुर, श्रवण पटेल, राहुल पटेल सहित क्षैत्र के लोगों उपस्थित रहे सभी संतो ने आयोजक समिति को बधाई दी कि एक साथ एक मंच पर साधु संतों का महाकुंभ किया7

सीनियर सिटीजन क्लब और राम नाम मण्डल ने दिया धरना

मेडिकल कॉलेज के लिए 6वें दिन भी जारी रहा अनशन

छतरपुर। छतरपुर में ठप्प पड़े मेडिकल कॉलेज के निर्माण को शीघ्र पूरा कराने सहित इसका संचालन शुरू कराने से जुड़ीं तीन मांगों को लेकर मेडिकल कॉलेज संघर्ष मोर्चा के बैनर तले 15 अप्रैल से शुरू हुआ क्रमिक अनशन लगातार जारी है।

छतरपुर के छत्रसाल चौक पर चल रहे इस क्रमिक अनशन में गुरूवार को सीनियर सिटीजन क्लब एवं राम नाम मण्डल के पदाधिकारियों ने सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सांकेतिक धरना देते हुए सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई। इस मौके पर सीनियर सिटीजन क्लब की ओर से इंजीनियर दिलीप अग्रवाल ने कहा कि छतरपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द से जल्द प्रारंभ किया जाए, डीन की नियुक्ति कर जिला अस्पताल में इसका अस्थायी संचालन शुरू करते हुए अगले सत्र से कक्षाएं प्रारंभ की जाएं। इसी तरह प्रेम रूसिया ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की सबसे ज्यादा जरूरत छतरपुर के बुजुर्गों को है जिनका स्वास्थ्य खराब रहता है और उन्हें इलाज के लिए डेढ़ सौ किमी से भी अधिक की यात्रा करनी पड़ती है। पत्रकार अशोक नायडू ने कहा कि सरकार लगातार मेडिकल कॉलेज निर्माण के नाम पर टाल-मटोल कर रही है जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू होना चाहिए। मेडिकल संघर्ष मोर्चा की ओर से हरिप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि जब तक मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू नहीं होगा यह अनशन चलेगा। जल्द ही वे खुद मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए आमरण अनशन पर बैठेंगे। इस अनशन के दौरान संदीप टिकरिया, जुगलकिशोर, प्रमोद खरे, अनंतराम चौबे, रमेशचन्द्र अग्रवाल, विजयांत अग्रवाल, अनूप कुमार असाटी, ब्रजेश कुमार पाण्डेय, राजा भैया रूसिया, अनिल गुप्ता, विवेक रूसिया, रामस्वरूप शुक्ला, अभिषेक चौरसिया, राधेलाल असाटी, जमुना प्रसाद खरया, किशुनदास सेठ, एसडी गुप्ता, राजेन्द्र नीखरा, रामकृपाल साहू आदि मौजूद रहे। आज शंकर सोनी के नेतृत्व में पेंशनर धरना देगे।

नकली टाटा नमक और नकली जैस्मिन हेयर ऑयल के कारखाने पर पुलिस छापा

सीलिंग मशीन, एवं नकली स्टीकर एवं रैपर जप्त, 2 आरोपी गिरफ्तार

कटनी। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन (भारतीय पुलिस सेवा) के निर्देशन में कुठला पुलिस के द्वारा गुरुवार को नकली टाटा नमक और नकली टाटा जैसमिन हेयर ऑयल को बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधीक्षक कटनी श्री अभिजीत कुमार रंजन (भारतीय पुलिस सेवा) को मिली सूचना के आधार पर टी.आई. कुठला अरविंद जैन ने अपने पुलिस बल के साथ थाना कुठला क्षेत्र अंतर्गत अंतर्गत पुरेनी बस्ती में जय लाल साहू के रहवासी मकान में रेड किया जाकर नकली टाटा नमक और नकली जैसमिन हेयर ऑयल को बनाने की फैक्ट्री को रंगे हाथ पकड़ा है।

पुलिस को पुरेनी बस्ती स्थित जयलाल साहू के मकान में नकली टाटा नमक के 1द्मद्द की क्षमता वाले 1100 नग सीलबंद तैयार किए गए पैकेट मिले हैं , जिसके लिए ञ्चद्गह्ल1ड्ड कंपनी के नमक की बोरियां का नमक इस्तेमाल किया गया है। मौके पर ञ्चद्गह्ल1ड्ड कंपनी के नमक की भरी और खाली बोरियां मिली है। पुलिस को 90द्वद्य की क्षमता वाले नकली जैसमिन कोकोनट हेयर ऑयल की प्लास्टिक की भरी हुई 1000 शीशी मिली जिनमें पैराशूट एडवांसड जैसमिन कोकोनोट हेयर ऑयल लिखा है जिन्हें भरने के लिए इस्तेमाल किया गया तीन कुप्पो में बंसल कंपनी का साधारण तेल जप्त किया गया है। टाटा कंपनी के 1द्मद्द के क्षमता वाले 400 नग रैपर जप्त किए गए हैं। नकली तेल बनाए जाने हेतु 90द्वद्य की क्षमता वाली 1500 प्लास्टिक की शीशियां मय ढक्कन, 23000 स्टीकर, टाटा नमक की प्लास्टिक की खाली 500 रैपर, तेल भरे जाने हेतु चुंगी एवं सीलिंग मशीन जप्त की गई है।

पुलिस द्वारा मौके पर जय लाल साहू पिता भगवान दास साहू उम्र करीब 58 साल निवासी पुरैनी थाना कुठला एवं उसके भांजे धनीराम साहू पिता चुन्नीलाल साहू उम्र करीब 25 साल निवासी पुरैनी थाना कुठला जिला कटनी से करीब ?150000 का नकली नमक एवं नकली तेल जप्त किया जाकर धारा 420, 467,468,471,34 भारतीय दंड विधान एवं

धारा 103 / 104 ट्रेडमार्क अधिनियम 1999 एवं धारा 63, 64, 65 कॉपीराइट अधिनियम 1957 के तहत एफआईआर की गई है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी जय लाल साहू से नकली नमक और नकली तेल की फैक्ट्री को चलाने और नकली माल को बेचने में सहआरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कटनी श्री अभिजीत कुमार रंजन भारतीय पुलिस सेवा के द्वारा टी. आई. कुठला अरविंद जैन एवं पुलिस स्टाफ उप निरीक्षक महेंद्र बेन, सहायक उपनिरीक्षक ईश्वर बागरी, सहायक उपनिरीक्षक श्याम नारायण सिंह, प्रधान आरक्षक रामेश्वर सिंह, प्रधान आरक्षक अजय यादव, प्रधान आरक्षक नंदकिशोर अहिरवार, आरक्षक सत्येंद्र आरक्षक, अभय महिला अर्चना तिवारी एवं मानती प्रजापति को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

विधानसभा टोली बैठकः हमारा लक्ष्य 51 प्रतिशत वोट, बूथ और शक्ति केंद्रों को करें तैयार :शर्मा

बरेली । हमारी पार्टी की मूल इकाई बूथ है इसलिए बूथ में कार्यकर्ताओं को संजोना, समय-समय पर चिंतन करना तथा निरंतर संवाद व संपर्क करते हुए बूथ विस्तार योजना को पूर्ण कर लक्ष्य को हासिल करना है। प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट प्राप्त करना हमारा लक्ष्य है। इसे ध्यान में रखते हुए हमें विधानसभा के प्रत्येक बूथ और शक्ति केंद्र को तैयार करना है। इसके लिए नियमित कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित कर योजना बनाई जाए। साथ ही सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों को भारतीय जनता पार्टी से जोड़े। यह बात भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने गुरुवार को रायसेन जिले की साँची, भोजपुर, सिलवानी, उदयपुरा विधानसभा की संचालन टोली की बैठक को संबोधित करते हुए कही। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द गुरुवार को रायसेन जिले के संगठनात्मक प्रवास पर थे। श्री हितानन्द ने रायसेन जिले की साँची, भोजपुर, सिलवानी और उदयपुरा विधानसभा की संचालन टोली की अलग-अलग बैठकें लीं। प्रदेश संगठन महामंत्री के साथ सभी बैठकों में प्रदेश उपाध्यक्ष व भोपाल संभाग प्रभारी कांतदेव सिंह और पार्टी जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा उपस्थित थे, वहीं साँची की बैठक में

प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी, भोजपुर की बैठक में विधायक सुरेंद्र पटवा, सिलवानी की बैठक में विधायक रामपाल सिंह एवं उदयपुरा विधानसभा की बैठक में डॉ प्रभुराम चौधरी, रामपाल सिंह , नरेंद्र शिवाजी पटेल सहित विधानसभा संचालन टोली के सदस्य उपस्थित थे। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आगामी कार्यक्रमो के माध्यम से हमें अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिभावान युवाओं को पार्टी से जोडना है। उन्होंने बूथ विस्तारक अभियान की समीक्षा करते हुए इसे जल्द पूर्ण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में हमारी डबल इंजन की सरकार है। केंद्र और राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग लाभान्वित और प्रभावित है। इस अनुकूलता का ध्यान रखते हुए हम योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही से संपर्क अभियान चलाएं जिससे संगठन का विस्तार होगा साथ ही हमारी कार्य करने की ताकत भी बढ़ेगी।

ग्राम पंचायत नांदनी, जनपद पंचायत फंदा जिला भोपाल (म.प्र.)

पत्र क्रमांक 12/2023 दिनांक 20/04/2023

कार्यालय जनपद पंचायत फंदा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नांदनी में वित्तीय वर्ष 2023 एवं 2024 में स्वीकृत होने वाले सभी मदों योजनाओं हेतु समस्त निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली समस्त सामग्री जैसे कि रेत, गिट्टी, सीमेंट, ईंट, लोहा, चादर, पाइप, मुरम, रोलर, चैनल, एंगल, जे.सी.बी. मशीन, ट्रक परिवहन एवं ट्रैक्टर परिवहन इत्यादि की सप्लाई हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत होने वाले कार्यों के लिए बंद लिफाफे में कोटेशन जीएसटी धारक पंजीकृत सप्लायर से दिनांक 21 अप्रैल 2023 से दिनांक 27 अप्रैल 2023 तक कार्यालय समय में अपनी निविदा या कोटेशन स्पीड पोस्ट एवं स्वयं के माध्यम से लेकर उपस्थित हेतु आमंत्रित हैं

सचिव, ग्राम पंचायत नांदनी, जनपद पंचायत फंदा जिला भोपाल (मप्र)

भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड को ग्रेट प्लेस टू वर्क ने बीएफएसआई सेक्टर में भारत के 25 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में दी मान्यता

मुंबई , एजेंसी। इंडसइंड बैंक की 100 फीसदी सहायक कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) को ग्रेट प्लेस टू वर्क0 द्वारा मान्यता दी गई है। इस तरह बीएफआईएल देश में बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) सेक्टर में टॉप 25 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में शामिल हो गया है। बीएफआईएल ने लगातार छठे वर्ष यह मान्यता हासिल की है और इस तरह यह कंपनी की उस प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है, जिसके तहत बीएफआईएल अपने कार्यस्थल को बेहतर और मौलिकता की संस्कृति के अनुरूप बनाना चाहता है। बीएफआईएल की यह उपलब्धि एक ऐसे कार्य वातावरण के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी साबित करती है, जिसमें कर्मचारियों से जुड़ाव, काम को लेकर उनकी संतुष्टि और उनके विकास को प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यस्थल से जुड़े अन्य प्रभावशाली गुणों का प्रदर्शन करने के लिए कंपनी की सराहना की गई है। इन खूबियों में प्रेरणा, सहयोग, पारदर्शिता, कैरियर के विकास के अवसर, निष्पक्षता, काम के दौरान आनंद लेना, सम्मान और प्रशंसा जैसे कई अन्य गुण शामिल किए जाते हैं।

सिम्फनी लिमिटेड ने बीएलडीसी टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित दुनिया की सबसे पहली एयर कूलर रेंज लॉन्च की

अहमदाबाद , एजेंसी। एवोपेरेटिव एयर कूलरों में वैश्विक अग्रणी कंपनी सिम्फनी लिमिटेड ने बीएलडीसी टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित दुनिया की सबसे पहली एयर कूलर रेंज लॉन्च की। अत्यधिक ऊर्जा कुशल ऐसी बीएलडीसी एयर कूलर रेंज, अन्य कूलरों की तुलना में 60 प्रतिशत तक कम बिजली की खपत करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष रु. 2,000 तक की ऊर्जा की बचत होती है। कंपनी ने बीएलडीसी रेंज में 80 लीटर, 55 लीटर और 30 लीटर क्षमता के 3 मॉडल लॉन्च किए हैं। अत्यधिक ऊर्जा कुशल होने के अलावा, इसमें अतिरिक्त सुविधाओं जैसे 7-गति विकल्प, 8 घंटे तक की नाइट स्लीप मोड, टचस्क्रीन कंट्रोल पैनल आदि भी हैं। सिम्फनी कूलर्स को इस तरह से बनाए गए है जो प्रति वर्ष 18 पेड़ लगाने* के बराबर कार्बन फुटप्रिंट को कम करते है और एयर कंडीशनर की तुलना में केवल 10 प्रतिशत ऊर्जा की खपत करते है।इस विषय पर टिप्पणी करते हुए, सिम्फनी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री अचल बकेरी ने कहा, सिम्फनी में, हम कल के बारे में आज सोचते हैं। हमारा प्रयास हमेशा ग्रह और इसके निवासियों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करना रहा है, जो हमारे ब्रांड टैगलाइन - थिंकिंग ऑफ टुमॉरो के माध्यम से परिलक्षित होता है।

पैंथर ने इंडी पॉप गाना दर्द ए दिल लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। सुनने वालों के दिलों को छूने के लिए पूरी तरह से तैयार एमटीवी हसल 2.0 स्टार पैंथर अपनी लेटेस्ट ट्रैक दर्द-ए-दिल लेकर वापस आ गया है सुंदर पल्लवी देसवाल के साथ खुद को पेश करते हुए इस गाने को सोनी यूजिक की सहायता से रिलीज किया गया है दिल तोड़ने वाले गानों के क्षेत्र में अपनी पहली एंट्री करते हुए यह इंडी पॉप ट्रैक एक रिश्ते के खत्म होने के बाद महसूस किए जाने वाले दर्द और तड़प को फोकस करता है इसे पैंथर द्वारा रचित, लिखित और गाया गया है और इसका संगीत अंकी द्वारा निर्मित किया गया है दर्द-ए-दिल एक मर्मभेदी गाना है जो एक विफल रिश्ते के साथ आने वाली भावनाओं को दिखलाता है अपनी बहुमुखी संगीत शैली के लिए जाना जाने वाला यह ट्रैक,पारंपरिक और आधुनिक ध्वनियों का मिश्रण है, जो एक गहरी तड़प की भावना पैदा करता है जिसे कोई भी दिल टूटने वाला अनुभव कर सकता है। लॉन्च पर पैंथर बोले यह गीत मेरे सभी प्रशंसकों के लिए है जो मुझे एक भावनात्मक गाना गाते हुए सुनना चाहते थे इसलिए, दर्द-ए-दिल के साथ मैं किसी को एक बार प्यार करने के बाद खोने के दर्द को कैप्चर करना चाहता था साथ ही एक यूनिवर्सल अपील भी थी जो दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होती है यह एक ऐसा गीत है जो दिल टूटने पर पछतावे और भावनात्मक उथल-पुथल को बयां करता है मुझे उ मीद है कि ट्रैक श्रोताओं के दिलों को छू लेगा, क्योंकि वे इसकी बीट्स पर नाचते हैं।

मेघा रे की सलाह है कि मुंबई की दौड़भाग में बने रहने के लिए थोड़ा रुककर राहत की सांस लें

मुंबई मुंबई, एजेंसी। जहां मुंबई को कई रोमांटिक लोगों ने सपनों का शहर कहा है, वहीं इसे एक ऐसा शहर भी कहा जाता है, जो कभी नहीं सोता! और, अपने सपनों की तलाश में इस मैक्सिमम सिटी की हलचल के बीच हैं बंबई नगरिया के लोग। ऐसे ही एक सफर को दर्शाती है राधिका यादव की ज़िंदगी, जो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के नए ज़माने के ड्रामा सपनों की छलांग की नायिका हैं। उन्होंने पहले ही दर्शकों के साथ एक खास रिश्ता बना लिया है। राधिका एक सफल करियर बनाने के लिए विश्वास की छलांग लगाते हुए अपना घर छोड़कर एक अनजान शहर में आ गई है। इस समय राधिका के मन में बहुत-सी चीजें चल रही हैं। जहां एक तरफ उसे अपने मां-बाप राधेश्याम यादव (संजीव) जोतांगिया) और सुमन यादव (कशिश दुग्गल) की चिंताओं को दूर करना है, जिन्हें वो झांसी में छोड़ आई है, वहीं उसे एक नई नौकरी की चुनौतियों का सामना करने के अलावा अपने रूम के साथियों और एक नए शहर में रहने के बीच संतुलन भी बनाना है, लेकिन इस किरदार को निभाने वालीं एक्ट्रेस मेघा रे की राधिका के लिए महानगर में रहने के लिए कुछ सलाह है।मेघा रे कहती हैं, मुंबई में लोग भागदौड़ करते हैं, चुनौतियों से जूझते हैं और अपने सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन निश्चित रूप से, आपको भी इस शहर से प्यार हो जाता है क्योंकि यह आपको मजबूत और आत्मनिर्भर बनना सिखाता है। चूंकि राधिका महानगर में अपना सफर शुरू कर रही है।

काम करने वालों की बढ़ी आबादी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत, ये चुनौतियां भी लेंगी जन्म

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट ने यह दावा किया। बुधवार को संगठन के डैशबोर्ड के अनुसार, भारतीयों की आबादी 142.86 करोड़ और चीन की 142.57 करोड़ है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका इन दोनों से बहुत पीछे 34 करोड़ के साथ तीसरे नंबर पर है। भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा युवाओं का होगा, जो लंबी अवधि में हितकारी माना जा रहा है।

बड़ा युवा वर्ग न केवल कामकाजी वर्ग के रूप में, बल्कि एक बड़े उपभोगकर्ता वर्ग के रूप में भी देखा जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार, देश में कामकाजी आबादी 97 करोड़ के करीब है। इसे अच्छा संकेत माना जा रहा है।बड़ी आबादी में समृद्धि बढ़ाने से स्थानीय उपभोग बढ़ेगा, यह अर्थव्यवस्था को बाहरी झटके को सहने की क्षमता देगा। समृद्ध आबादी के ज्यादा उपभोग से नए अवसर भी पैदा होंगे।

संयुक्त राष्ट्र के फरवरी 2023 तक के डाटा के आधार पर विभिन्न विशेषज्ञों ने दावा किया था कि अप्रैल 2023 में भारत आबादी में चीन को पीछे छोड़ देगा। हालांकि, इसकी कोई निश्चित तारीख रिपोर्ट में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का मानना है कि चीन व भारत से मिले डाटा की अनिश्चितता से तारीख बताना संभव नहीं। भारत में 2011 के बाद अगली जनगणना लंबित है।

वर्ष 2050 तक आठ देशों में दुनिया की 50 फीसदी आबादी- रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2050 तक भारत, पाकिस्तान, कांगो, मिस्र, इथोपिया, नाइजीरिया, फिलीपीन व तंजानिया में दुनिया के 50 प्रतिशत नागरिक रह रहे होंगे, रोचक ढंग से चीन इन 8 देशों में नहीं है। अजरबैजान में 100 लड़कियों पर 113 लड़कों और चीन में 112 लड़कों का जन्म यहां की आबादी में बड़े पैमाने पर बढ़ती लैंगिक असमानता बताता है। वैश्विक औसत 100 लड़कियों पर 106 लड़कों का जन्म है। बीते 3 दशकों में जिन 12 देशों में

यह अनुपात ज्यादा बिगड़ा उनमें भारत भी शामिल है।

भारत की आबादी दोगुनी होने में 75 वर्ष लगे, विश्व को भी 76 वर्ष ही लगे। यानी देश की जनसंख्या वृद्धि दर वैश्विक औसत के करीब रही।

बढ़ती आबादी से चिंतित भारतीय- रिपोर्ट में 1007 भारतीयों सहित करीब 7.8 हजार लोगों पर किए सर्वे के हवाले से कहा गया कि 63 प्रतिशत भारतीयों में बढ़ती जनसंख्या से चिंताएं घर कर चुकी हैं। वे इसकी वजह से कई आर्थिक मसले खड़े होते देख रहे हैं। आर्थिक के साथ-साथ भारतीयों को पर्यावरण, मानवाधिकार, यौन अधिकार व प्रजनन स्वास्थ्य पर भी इसका दुष्प्रभाव नजर आ रहा है। हालांकि, रिपोर्ट में इससे चिंता न करने की बात कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 में भारत ने जबरन परिवार नियोजन पर अपना विरोध सामने रखा था। संसद में कहा गया कि सरकार ऐसी नीतियों का समर्थन नहीं करती, क्योंकि इनके नुकसान ही सामने आए हैं।

भारत और चीन दोनों देशों में घट रही आबादी, इसलिए चिंता की जरूरत नहीं- रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की कुल 804.5 करोड़ आबादी में से एक-तिहाई लोग चीन व भारत में रहते हैं। लेकिन अब दोनों ने ही जनसंख्या वृद्धि को धीमा किया है। चीन में बीते छह दशकों में पहली बार आबादी घटी है। वहीं, भारत में वर्ष 2011 में जनसंख्या की सालाना वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत रही। इसमें भी कमी दर्ज की गई। यह आंकड़ा इससे पहले के दशक में 1.7 प्रतिशत था।

कौशल विकास समान शिक्षा पर देना होगा जोर- एजेंसी की भारत प्रतिनिधि आंद्रिया वोग्नर के अनुसार बड़ी आबादी से डरने की जरूरत नहीं है। नागरिकों को अधिकार मिलते रहें, तो इसे प्रगति और विकास का चिह्न मानना चाहिए।

आंद्रिया के अनुसार, सवाल उठाने के बदले 140 करोड़ लोगों को 140 करोड़ अवसरों की तरह देखना चाहिए। इनमें से करीब 25.4 करोड़ लोग 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग में आते हैं। वे इनोवेशन, नई सोच और लंबे समय काम आने वाले समाधान का स्रोत बन सकते हैं। आंद्रिया बताती हैं कि महिलाओं व लड़कियों को समान शिक्षा व कौशल विकास के अवसर और तकनीक व डिजिटल इनोवेशन तक पहुंच देकर ज्यादा तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है। भारतीय संगठन पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की अधिकारी पूनम मुतरेजा के अनुसार भारत ने अपनी आबादी को नियंत्रित रखने में कई सही कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान में 35 वर्ष में दोगुना आबादी- यूक्रेन व नाइजर को महज 19, कांगो व अंगोला को 23, सोमालिया व जांबिया को 25, नाइजीरिया को 29 और पाकिस्तान को महज 35 वर्ष आबादी दोगुना करने में लगे। चीन का आंकड़ा रिपोर्ट में नहीं।

चीन को यह भी गवारा नहीं = संख्या ही नहीं, गुणवत्ता पर भी निर्भर हैं लाभ- दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश की हैसियत भारत से गंवाने पर चीन ने कहा कि उसके पास अब भी 90 करोड़ के करीब 'क्वालिटी' कामगार हैं, जो उसके विकास को तेजी देते रहेंगे। यूएन रिपोर्ट के बाद प्रतिक्रिया में चीन के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, जनसंख्या से मिलने वाले फायदे संख्या पर नहीं, गुणवत्ता पर भी निर्भर करते हैं। जैसे आबादी महत्वपूर्ण है, वैसे ही प्रतिभा भी। वेनबिन ने कहा, चीन की आबादी 140 करोड़ के करीब है। इनमें से कामकाजी उम्र के नागरिकों की संख्या 90 करोड़ के आसपास है।

मुश्किलें = बच्चों का जन्म घटा, हर तीसरा नागरिक बुजुर्ग- साल 2022 में चीन की आबादी 8.50 लाख घटी। इस साल 9.56 लाख बच्चे पैदा हुए, जो 2021 के 10.62 लाख से कम हैं। प्रति 1 हजार 6.77 बच्चे पैदा हुए, जबकि 2021 में संख्या 7.52 थी। यह चीन की आबादी के नकारात्मक चरण में पहुंचने का संकेत है। वहीं, चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार 2020 के आखिर तक देश में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 26.4 करोड़ नागरिक थे। 2035 तक यह संख्या 40 करोड़ पहुंच जाएगी, यह कुल आबादी का 30 प्रतिशत हिस्सा होगी।

2023-24 में 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है सेवाओं का निर्यात, एसईपीसी ने जताई उम्मीद

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश से सेवाओं का निर्यात 2023-24 में 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) ने यह उम्मीद जताई है। 2022-23 के दौरान सेवा निर्यात में उल्लेखनीय उछाल से उत्साहित एसईपीसी ने बुधवार को

कहा कि वृद्धि का मजबूत रुख जारी रहेगा। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में देश का सेवा निर्यात 2021-22 के 254 अरब डॉलर से 42 फीसदी बढ़कर 322.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एसईपीसी के चेयरमैन सुनील एच तलाती ने कहा, सेवा क्षेत्र ने 300 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा था। अब यह 322 अरब डॉलर पहुंच गया है। अंतिम आंकड़ों में यह 350 अरब डॉलर को छू सकता है।

इस्पात कंपनियों ने चुकाया एमएसएमई का 7,673 करोड़ बकाया- सरकारी इस्पात कंपनियों ने सूक्ष्म, लघु व मझोले (एमएसएमई) उपक्रमों का बकाया चुका दिया है। इन कंपनियों ने 2022-23 में विभिन्न एमएसएमई को 7,673.95 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यह राशि 2021-22 में चुकाए गए 5,511.07 करोड़ से 39.3 फीसदी ज्यादा है। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को कहा, इस्पात क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने मार्च, 2023 में एमएसएमई को 876.10 करोड़ का भुगतान किया है।

एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश 25 फीसदी बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये- म्यूचुअल फंड उद्योग में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश 2022-23 में 25 फीसदी की वृद्धि के साथ 1.56 लाख करोड़ पहुंच गया।इससे पता चलता है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद एसआईपी पर खुदरा निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। एम्फी के अनुसार, 2021-22 में एसआईपी से 1.24 लाख करोड़ और 2020-21 में 96,080 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। म्यूचुअल फंड में एसआईपी से संग्रह सात वर्ष में तीन गुना हो गया है। 2016-17 में यह 43,921 करोड़ था।

क्रूड के घरेलू उत्पादन पर फिर देना होगा अप्रत्याशित लाभ कर- सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर फिर से अप्रत्याशित लाभ कर लगा दिया है। हालांकि, डीजल निर्यात पर शुल्क को 50 पैसे प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया है। विमान ईंधन पर निर्यात शुल्क शून्य पर ही रहेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन के दाम में तेजी के साथ यह कदम उठाया गया है। इसके तहत ओएनजीसी जैसी कंपनियों के उत्पादित क्रूड पर 6,400 रुपये प्रति टन शुल्क लगेगा। इससे 2023-24 में सरकार को 15,000 करोड़ मिल सकते हैं।

ग्रेविटा के मुंद्रा प्लांट की क्षमता का विस्तारण

जयपूर, एजेंसी। ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड (ग्रेविटा या कंपनी) एक अग्रणी रीसाइक्लिंग कंपनी है, जिसने पुरे विश्व में अपना स्थान बनाया हुआ है। यह कंपनी जानकारी देना चाहती है, की इस कंपनी के मुन्द्रा, गुजरात स्थित सुविधा की क्षमता बढ़ानेकी चेष्टा की जा रही है। इस युनिट के मुख्य रीसाइक्लिंगकी क्षमता अब 40,5000 मेट्रिकटनवार्षिकतक बढ़ायी गयी है और अब इस युनिट की वर्तमान क्षमता कुल मिलाकर 60,000 मेट्रिकटनवार्षिकहै। इसके अलावा इस कंपनी ने रेड लेड तथा प्लास्टीक ग्रॅन्युअल्स का उत्पादन भी व्यावसायिक तौरपर शुरू कियाहै, जिसकी क्षमता क्रमशः 4800 मेट्रिकटनवार्षिकतथा 7,500 मेट्रिकटनवार्षिकहै। लीडरीसाइक्लिंगमेंइस विस्तारण में कंपनी के गांधीधाम, गुजरातस्थित मौजूदा सुविधाकेस्थलांतर का भी अंतर्भाव होता है, जिसकी वर्तमान क्षमता 19,500 मेट्रिकटनवार्षिकहै।ग्रेविटा लेड, रेड लेड और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग सेगमेंट में प्रमुख विदेशी बाजार से अधिक मार्जिन वाले कारोबार की हिस्सेदारी में वृद्धि की उम्मीद कर रही है। यह सुविधा बंदर के समीप होने के कारणसुविधा के परिचालन में सुविधा रहेगी तथा वृद्धि करेगी क्योंकि स्क्रैप का आयात और तैयार माल का निर्यात करनेके लिये एक ही बंदर का उपयोग किया जाएगा।इससे कंपनी के कार्यशील वर्किंग कॅपिट्ल की बचत होगी तथा लॉजिस्टिक्स मे सुविधा होगी। कुल मिलाकर, यह सुविधा विदेशी बाजार से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है और क्षमता में वृध्दी होने को कारण साथ यह कंपनी केमुनाफ़े में बढ़त होने की उम्मीद है।

ग्रॅविटा ग्रुप का मुंद्रा स्थित यह युनिट रणनीतिक रूप से स्थापित है और नवीनतम तकनीक और स्वयंचालित प्रक्रियाओं तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से भरपूर है। निर्देशित क्षमता विस्तारण तथा न्यूनतम क्षमता संस्थापन में लगभग 31 क़रोड़ का निवेश किया गया है, तथा उसमे से 14 करोड़ रुपये का वित्त बाहरी माध्यमों से लाया गया है और शेष कंपनी के आंतरिक उपार्जनों द्वारा किया गया है।ग्रॅविटा एक अग्रणी वैश्विक रीसाइक्लिंग कंपनी है, जिसके दुनियाभर मे 11 पर्यावरण के प्रति जागरूक अत्याधुनिक प्लांट्सहै और उनकी क्षमता 2,51,419 मेट्रिक टन वार्षिक है। इस रूप ने विश्व के 70 से अधिक देशों मे अपनी पहचान बनायी है, इनके 5 व्यावसायिक कार्यक्षेत्र हैं तथा 30 से अधिक सालों के डीएनएका रिसायकलींग है। कंपनी एनएसई और बीएसईलिमिटेडपर अग्रतम 1000 सूचीबद्ध कंपनियों में से एक है।

ट्विटर के देसी विकल्प कू में भी छंटनी, कंपनी ने 30 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अधिकारियों के साथ ट्विटर के विवाद के बीच कई सरकारी अधिकारियों, क्रिकेट सितारों, मशहूर हस्तियों और आम लोगों ने स्थानीय विकल्प के रूप में कू का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था।भारत में ट्विटर इंक की प्रतिद्वंद्वी कू ने हाल के महीनों में अपने लगभग एक तिहाई कर्मचारियों को बाहर कर दिया है माना जा रहा है कि फर्म ने घाटे और धन जुटाने में असमर्थता के कारण यह फैसला लिया है। टाइगर ग्लोबल की ओर से समर्थित कंपनी के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि तीन साल पुराने माइक्रोब्लॉगिंग ऐप ने अपने लगभग 260 श्रमिकों में से 30त्न की छंटनी कर दी है। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि फिलहाल पूरी दुनिया में विकास से अधिक दक्षता पर फोकस किया जा रहा है। कंपनियों को अपनी वित्तीय स्थिति को ठीक करने की ज्यादा जरूरत है।

वैश्विक स्तर पर आईटी सेक्टर के शेयरों में गिरावट से कंपनी को नुकसान- शुरुआत में ट्विटर और सरकार के साथ विवाद के कारण बेंगलुरु स्थित माइक्रोब्लॉगिंग कंपनी को फायदा हुआ पर जैसे-जैसे लोग फिर ट्विटर की ओर लौटने लगे कंपनी की समस्याएं बढ़ने लगी। हालांकि, नकदी के मामले में कंपनी के सामने मौजूदा संकट वैश्विक बाजार में आईटी कंपनियों के प्रति मंदी का रुख बढ़ने के कारण पैदा हुआ है। एक लंबी उड़ान भरने वाले स्टार्टअप के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले कू के मुल्यांकन में इस दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

कंपनी खुद को प्रॉफिट मेकिंग बनाने में जुटी- कंपनी के सह-संस्थापक मयंक बिदावतका ने एक साक्षात्कार में कहा कि छह करोड़ से अधिक डाउनलोड के साथ कू के पास अच्छी पूंजी है और यह मुद्रीकरण प्रयोगों के साथ लाभप्रदाता कंपनी बनने की कोशिशों में जुटी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अन्य सोशल मीडिया कंपनियों की तुलना में राजस्व भी सबसे अधिक है। रिसर्च फर्म ट्रैक्सन के मुताबिक, कू जो अपने निवेशकों में एक्सेल और कलारी कैपिटल को भी गिनती है, ने पिछले साल 273 मिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर धन जुटाया था।

विश्व पुस्तक दिवस पर, अमेजन. इन के गिफ्ट ए बुक अभियान के साथ उठाएं पढ़ने का लुत्फ

मुंबई, एजेंसी। 23 अप्रैल रविवार को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक दिवस के साथ, अमेजन. इन ने अपने साल भर चलने वाले गिफ्ट ए बुक अभियान की घोषणा की है। भारत में किताबें पढ़ने और इसे उपहार में देने की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह अभियान ऐसे उपहार देने के महत्व पर केंद्रित है, जो हमेशा आपको कुछ देता रहता है। ग्राहक विशेषरूप से तैयार स्टोरफ्रंट से आकर्षक ऑफर्स और डील्स के साथ विभिन्न शैलियों और आयु समूह के लिए किताबों का चयन कर सकते हैं। अमेजन. इन की यह पहल मेक इंडिया रीड के लिए किए जा रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। इस अभियान को शुरू करने के लिए, इस साल की शुरुआत में एक डिजिटल वीडियो लॉन्च किया गया था, जिसमें एक युवा लड़की की यात्रा को दिखाया गया है, जो उसके जीवन के विभिन्न चरणों में उसे उपहार में मिली किताबों के प्रभाव को दिखाती है, जिसने उसकी कहानी को आकार देने में मदद की। वीडियो इस बात पर जोर देता है कि किताबें वह उपहार हैं, जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाता और पढ़ने के कई लाभों जैसे जिज्ञासा बढ़ाना, कल्पना विकसित करना, नए विचार पैदा करना और चरित्र निर्माण करना आदि पर प्रकाश डालती है। अभियान का वीडियो यहां देखें।राजार्षि गुइन, डायरेक्टर, मीडिया, अमेजन इंडिया ने अभियान के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम एक ऐसे देश का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां पुस्तक पढ़ने को महत्व दिया जाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शेफाली शाह बच्चों की शिक्षा में नजर ना आने वाले अंतर को उजागर करने के लिए पीएण्डजी शिक्षा पहल से जुड़ी

मंडीदीप। पीएण्डजी इंडिया के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम, पीएण्डजी शिक्षा ने मुंबई में एक चर्चा में विचार-विमर्श के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में छिपे हुए मुद्दे, जिसे ÷इनविजिबल गैप÷ कहा जाता है, पर रोशनी डालने के लिए अपनी तरह की अनूठी पहल की शुरुआत की। इस दिशा में किये गये अध्?ययनों से यह संकेत मिलता है कि स्कूल में बहुत से छात्र क्लास में पढ़ाए जाने वाले पाठ को समझने में बाकी छात्रों से अक्सर पीछे रह जाते हैं। एक कॉन्सेप्ट, एक विषय, एक कक्षा का मुद्दा गंभीर समस्या को जन्म दे सकता है। जब बच्चा पढ़ाई में कमजोर होता है और पारिभाषित सिलेबस के अनुसार उसका सीखने-समझने का स्तर उस लेवल तक नहीं होता, जिस स्तर की उससे उम्मीद की जाती है तो शिक्षा के क्षेत्र में नजर ना आने वाली कमियां जन्म लेती हैं।यह विचार-विमर्श शिक्षा के क्षेत्र में 'अदृश्य कमियों को दूर करने' की थीम पर आधारित था। पैनल में हुई इस चर्चा का संचालन लेखक और पूर्व पत्रकार प्रियंका खन्ना ने किया। इस पैनल में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार विमर्श करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शेफाली शाह, पीएण्डजी इंडिया में ब्रैंड ऑपरेशंस के वाइस प्रेसिडेंट गिरीश कल्याणरामन, एजुकेशनल इनिशिएटिव्स के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट रितेश अग्रवाल और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में बना की सेर के गवर्नमेंट हाई स्कूल में गणित के टीचर सागर सिंह शामिल है। पैनलिस्ट ने शिक्षा के क्षेत्र में नजर आने वाली कमियों को समझाने के लिए तरह-तरह से नए-नए विचार रखे। बच्चों को कोई विषय या अवधारणा समझ में न आने पर कैसे यह बच्चों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है और किस तरह बच्चे उस विषय को समझने में उलझे रहते हैं। इस मोड़ पर सही मदद या समर्थन न मिलने पर वह पढ़ाई छोड़ देते हैं या अपनी जिंदगी के बाद के चरणों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पैनल में इस बात पर भी चर्चा हुई कि प्रमुख भागीदारों, जिसमें शिक्षक, कॉरपोरेट्स और समाज शामिल हैं, शिक्षा के क्षेत्र में ना दिखाई देने वाली कमियों को दूर करने के लिए किस तरह अपनी भूमिका निभा सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत में हरेक बच्चा किसी विषय को उसके संदर्भ के साथ अच्छी तरह से समझें। इस विचार विमर्श के बीच पीएण्डजी शिक्षा ने अपनी तरह की अनोखी कैंपेन फिल्म का प्रदर्शन किया। यह फिल्म सोचने पर मजबूर कर देने वाली एक लड़की बिंदिया की कहानी है, जो कक्षा में किसी विषय को अच्छी तरह न समझ आने की समस्या से जूझ रही है और उसे कक्षा में इस मुश्किल से पार पाने के लिए के लिए संघर्ष करना पड़ता है। पीएण्डजी शिक्षा द्वारा आयोजित सेशन में हुई गहन चर्चा और इस नई फिल्म का मकसद शिक्षा प्रणाली में इस नजर न आने वाले अंतर को समाज के सामने लाना था। जैसा कि नैशनल अचीवमेंट सर्वे 2021 में संकेत किया गया था, पी एंड जी शिक्षा का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना और उस कमी को दूर करने के लिए सार्थक कदम उठाना था, जो इस देश के 6* करोड़ से ज्यादा बच्चों पर प्रभाव डाल रही है। इस प्रोग्राम से बच्चों में किसी विषय को समझने और उसे याद रखने की कमी को दूर करने के लिए पीएण्डजी शिक्षा ने जमीनी स्तर पर अपने विभिन्?न प्रयासों को जारी रखा है। बिंदिया की दिल को छू लेने वाली मार्मिक कहानी पर बनाई फिल्म बच्चों में लर्निंग गैप को दूर करने के लिए लोगों से सामूहिक रूप से कार्रवाई का आग्रह करती है।

मध्यप्रदेश में 15,000 से ज्यादा ऑफलाईन रिटेलर और नज़दीकी स्टोर 'लोकल शॉप्स ऑन एमेज़ॉन' का हिस्सा बने

भोपाल। 2020 में लॉन्च किए गए लोकल शॉप्स ऑन एमेज़ॉन, प्रोग्राम ने पूरे देश के विक्रेताओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने और बनाए रखने में मदद की है, और उन्हें अपने नजदीकी इलाकों के बाद भी ग्राहकों तक पहुँचने में समर्थ बनाया है। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा है और परिधान, होम एवं किचन, हैल्थ एवं पर्सनल केयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, किताबें एवं खिलौने आदि जैसी विभिन्न श्रेणियों में स्थानीय दुकानदार इसमें शामिल हो रहे हैं। 40 वर्ष पुराना पारिवारिक स्वामित्व का पोषाक व्यवसाय पाकीज़ा इंदौर, मध्य प्रदेश में स्थित है। पिछले सालों में इस व्यवसाय ने वस्त्रों और व्यक्तिगत सेवाओं का अद्वितीय संग्रह प्रस्तुत कर ग्राहकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बना लिया है। विश्व में बदलते परिवेश और डिजिटल युग की शुरुआत के साथ इस परिवार के युवा और महत्वाकांक्षी सदस्य, वसीम गोरी को अहसास हुआ कि उनके व्यवसाय को समय के साथ चलने के लिए अनुकूलित होने की जरूरत है। उन्होंने एमेज़ॉन.इन पर भरोसा करके ई-कॉमर्स की दुनिया में प्रवेश किया और अपने प्रोडक्ट्स एमेज़ॉन से बेचना शुरू किया। वो 'लोकल शॉप्स' प्रोग्राम में शामिल हुए।

कलेक्टर ने भेंट किया ब्रिस्क कमीशन की राशि का चैक

छिंदवाड़ा । भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय छिंदवाड़ा के क्षेत्रीय प्रबंधक शरद गोयल के मार्गदर्शन में कृषि विकास शाखा के शाखा प्रबंधक विलास एन. जोगने द्वारा एन.पी.ए. खातों में आर.आर.सी. दायर प्रकरणों में वसूली किये जाने को लेकर ब्रिस्क (बैंक रिकवरी इंसेंटिव स्कीम) के तहत ब्रिस्क कमीशन की राशि कलेक्टर मैडम छिंदवाड़ा के माध्यम से एस.डी.एम. अतुल सिंह, नायब तहसीलदार दृष्टि चैबे, खुशबू मालवीय एवं तहसीलदार छिंदवाड़ा को 1,20,783 रूपये का चैक भेंट किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप सगे उपसंचालक पशु डॉ. पक्षवार, एस.बी.आई. से नितेन्द्र चैधरी, अवधेश यदुवंशी, लीड बैंक मैनेजर प्रकाश भंडारे उपस्थित रहे। साथ ही एन.पी.ए. खातों में वसूली हेतु आर.आर.सी. दायर प्रकरणों में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया ।

नियमितीकरण एवं निश्चित वेतनमान की मांग

ग्राम रोजगार सहायक महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । प्रदेश संगठन के आव्हान पर हम समस्त रोजगार सहायक समस्त जिला छिंदवाड़ा विगत 13 मार्च 18 मार्च 2023 तक सामूहिक अवकाश लेकर 19 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है । जिसमें समस्त 746 रोजगार सहायक हड़ताल पर बैठे है हमारी प्रमुख मांग सहायक सचिव पद पर नियमितीकरण एवं निश्चित वेतनमान की मांग को लेकर हड़ताल जारी है। आज हमारी हड़ताल का 33 वां दिन है। आज दिनांक 20/04/2023 को भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू एवं पूर्व मंत्री म.प्र.शासन चैधरी चन्द्रभान सिंह को सामूहिक रूप से ज्ञापन सौंपा गया तथा शासन तक हमारी मांग रखने एवं उचित कार्यवाही कराने निवेदन किया गया।

जिला पंचायत की संचार तथा संकर्म स्थाई समिति की बैठक आज

छिन्दवाड़ा जिला पंचायत की संचार तथा संकर्म स्थाई समिति के सचिव ने बताया कि 21 अप्रैल को दोपहर 2˜30 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत की संचार तथा संकर्म स्थाई समिति की बैठक का आयोजन किया गया है । उन्होंने समिति के सभापति और सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है ।

वीर सपूत शहीद मेजर अमित ठेंगे की जयंती पर शत शत नमन

छिंदवाड़ा । मेजर अमित ठेंगे सोसाइटी की अध्यक्ष

शैफाली शर्मा एवं जन सेवा हिताय समिति द्वारा दिनांक 19 अप्रैल को शहीद मेजर अमित ठेंगे जी की जयंती पर बस स्टैण्ड स्थित प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पण कर दीप प्रज्वलित किया और सलामी दी गई। यह स्मारक न केवल मेजर अमित ठेंगे के देशप्रेम और देश की रक्षा के लिए बलिदान की स्मृति है अपितु अपना सर्वस्व न्योछावर कर देश सेवा करने वाले अमर सपूत शहीद मेजर अमित ठेंगे जी आने वाली पीढ़ियो को देशसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। आगामी समय में जन सेवा हिताय द्वारा मेजर अमित ठेंगे सोसाइटी के साथ मिलकर छिन्दवाडा जिले में मेजर अमित ठेंगे फिजिकल एजुकेशन इंस्टीट्यूट खोले जाने हेतु शासन को प्रस्ताव भी भेजा जावेगा जिससे छिन्दवाडा जिले से अनेक वीर सपूत मेजर अमित ठेंगे और भारत माता के वीर सिपाही बेटे बेटियों की तरह ही मॉ भारती की सेवा करेंगे। इस अवसर पर मेजर अमित ठेंगे सोसाइटी की अध्यक्ष शैफाली शर्मा एवं जन सेवा हिताय की अध्यक्ष हर्षा बनोदे, उपाध्यक्ष डॉ मीरा पराड़कर, सहसचिव गुरुशरण कौर, डॉक्टर शबाना यासमीन, निर्मला पहाड़े जी आदि उपस्थित थे।

बच्चों को कराया रोजा अफ्तार

परासिया । परासिया नगर के वार्ड क्रमांक 8 में स्थित स्प्रिंग डेल स्कूल परासिया में बच्चों को रोजा अफ्तार कराया गया। रमजान के मुबारक महीने में बच्चों ने रोजा अफ्तार किया। इस अवसर पर बुजुर्ग महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम मे चन्द्र भूषण डेहरिया बसन्त मालवी एवं ब्लाक महिला कॉग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा सोनी, अशोक डेहरिया नगर अध्यक्ष सेवादल परासिया दशरथ श्रीवास्तव, श्रीमती नूरजहाँ खान श्रीमती दुर्गा धुर्वे राधा राज पूत अहाना खान दिव्यानी सेठिया आयुषी पारदी मुन्नी खान जमीला खान अनम खान रोशनी धुर्वे तनवी डेहरिया आरजू आराध्या उपस्थित थी ।

सुमित्रा बाई का निधन

छिंदवाड़ा। गुलाबरा निवासी स्व सुमित्रा बाई स्व चरणलाल चौरसिया का निधन हो गया है जिनकी उम्र 98 वर्ष की थी, वे श्री नरेंद्र जी चौरसिया की माताजी एवं श्रीमती ज्योति जी चौरसिया (अध्यक्ष) की सासु मॉं थी, जिनकी शवयात्रा आज शुक्रवार को सुबह 10 बजे निज निवास गुलाबरा से निकाली जावेगी।

इमलीखेड़ा, परतला, खजरी में बने रहे डुप्लेक्स, कमर्शियल काम्पलेक्स के निर्माण कार्य की एक वर्ष अवधि बढ़ाई

एमआईसी की बैठक में पारित हुए 12 प्रस्ताव

छिंदवाड़ा । नगर निगम में एमआईसी की बैठक आयोजित की गई बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर मोहर लगी। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवंटित किए गए भवनों में राशि जमा न करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने एवं रिक्त एलआईजी तथा एमआईजी भवनों का मूल्य निर्धारण एवं ऑनलाइन निविदा के माध्यम से आवंटन किए जाने केसंबंध में प्रस्ताव पारित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एएचपी घटक इमलीखेड़ा परतला एवं खजरी में 144 एमआईजी डुप्लेक्स एवं कमर्शियल कंपलेक्स के निर्माण कार्य की कार्य आदेश की तिथि 06/06 2022 को समाप्त हो गई है जिसमें निविदाकार द्वारा 1 वर्ष की समय वृद्धि की मांग की गई थी जिसे 1 वर्ष की समय अवधि बढ़ाए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एएचपी घटक इमलीखेड़ा एमआईजी डुप्लेक्स एवं कमर्शियल कांपलेक्स की आधारभूत संरचना में एक्स्ट्रा आइटम एवं रिवाइज्ड एस्टीमेट अनुसार अतिरिक्त राशि की स्वीकृति के संबंध में प्रस्ताव पारित हुआ। मेसर्स किस्मतराय चुन्नीलाल सुपर मिनी स्मार्ट सिटी की निविदा के संबंध में प्रस्ताव, ट्रांसपोर्ट नगर की भूखंडों की दरों के निर्धारण के संबंध में एवं भूखंड आवंटन का विज्ञापन जारी करने तथा निर्माण हेतु निविदा बुलाने का प्रस्ताव, अमृत 2 जल प्रदाय की डी.पी.आर. की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु बी. एल .एम. आर. सी. के माध्यम से शासन को भेजे जाने हेतु प्रस्ताव, कायाकल्प अभियान के अंतर्गत मुख्य मार्गों के दुरुस्तीकरण हेतु अतिरिक्त 03 करोड़ की निविदा महापौर की स्वीकृति से जारी की गई (कायाकल्प अभियान के अंतर्गत मुख्य मार्गों के दुरुस्तीकरण कार्य हेतु 07 करोड़ के आमंत्रित निविदा की दर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव, मुख्यमंत्री अधोसंरचना द्वितीय चरण में 55 लाख के कार्य की कार्योत्तर स्वीकृति का प्रस्ताव, मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल संपत्ति अंतरण नियम) 2016 के संशोधित नियम 2023 को अंगीकृत किए जाने का प्रस्ताव।,मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा उपयंत्री पद हेतु (सिविल मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल) की सीधी भर्ती एवं बैकलॉग भर्ती से चार उपयंत्रियों का चयन होने पर उनके नियुक्ति आदेश का प्रस्ताव पारित किया गया।

हितग्राही से अधिक राशी लेने पर सरकार से मांगा जाएगा मार्गदर्शन

एमआईसी की बैठक में कर संग्रहण में उत्कृष्ट कार्य हेतु निकाय के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया इसके साथ ही महापौर विक्रम अहके ने इमलीखेड़ा अंतर्गत निर्मित भवनों में हितग्राहियों से अधिक राशि लेने पर मध्यप्रदेश शासन से मार्गदर्शन हेतु पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में महापौर विक्रम अहके, निगम आयुक्त राहुल सिंह सहित सभापति एवं सभी शाखाओं के प्रमुख उपस्थित रहे।

सयुंक्त मोर्चा ने सौंपा 17 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

छिंदवाड़ा । मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा छिंदवाड़ा के जिलाध्यक्ष सतीश गोंडाने तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष ओपी सोनी संरक्षक मुकेश खरे लघु वेतन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव कपाले, एनपी ओपीएस संघ के जिला अध्यक्ष विनोद डेहरिया, द्वारा बताया गया कि संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान मे कर्मचारियों की 17 सूत्री मांगों का ज्ञापन आज जिला प्रशासन को सौंपा गया । विभागाध्यक्ष एवं उनके अधीनस्थ कार्यों में कार्यरत लिपिकों को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान का लाभ 1/4/2006 से दिया जाए, चतुर्थ श्रेणी का नाम परिवर्तित किया जा कर कार्यालय सहायक किया जाए अनुकंपा नियुक्ति में नियुक्त लिपिकों को निर्धारित सीपीसीटी परीक्षा में छूट प्रदान की जाए एवं किसी भी कर्मचारी को सेवा से पृथक ना किया जाए,कार्यभारित कर्मचारियों के नियमित कर्मचारियों के समान अवकाश नकदीकरण का लाभ दिया जाए, एवं चतुर्थ श्रेणी की भर्ती की जाए महंगाई भत्ते के एरियर की राशि दे तिथियों से दिया जाए,एवं स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देते हुए नियमित कर्मचारी को सुविधाएं प्रदान की जाए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को स्थाई कर्मचारी का दर्जा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता जीआरएस पंचायत सचिव की वेतन विसंगति में सुधार किया जाए । जिला मुख्यालय में समस्त कलेक्टर कार्यालय एवं छिंदवाड़ा शहर में स्थित समस्त कार्यालय के कर्मचारी रैली के रूप में कलेक्ट्रेट ग्राउंड इकट्ठे हुए, जहां मोर्चे के अध्यक्ष सतीश गोंडाने द्वारा सभी को संगठित किया जाकर मांगों के संबंध में और आगामी आंदोलन के संबंध में सूचित किया गया,

घर से भागकर शादी की, पेपर देने आई तो जमकर हुई पिटाई

छिंदवाड़ा । घर से भागकर शादी करके 3 महीने बाद गर्ल्स कॉलेज छिंदवाड़ा पेपर देने पहुंची

लड़की की जब मां-बाप को भनक पड़ी तो उसे लेने पूरे परिवार सहित आ गए जिसके बाद जिस लड़के के साथ उसने शादी की थी, परिवार वालो द्वारा उसकी जमकर पिटाई की गई वही परिवार वालो द्वारा लड़की को ले जाने की कोशिश की गई, लड़की विरोध करते रही पर पुलिस के आने के बाद यह मामला जांच में है। लड़के ने पुलिस को विवाह प्रमाण पत्र दिखाया।

दहेज़ की कुप्रथा ने ली फिर एक बिटिया की जान

सामाजिक एवं परिवारिकजनो ने दोषियों को कठोर सजा देने की मांग

चौरई । नवेगॉव निवासी अशोक वर्मा की बिटिया अंशु उर्फ़ कल्पना वर्मा को उसके ससुराल वालो ने दहेज़ की मांग पूरी ना होने के चलते उतरा मौत के घाट! प्राप्त जानकारी के मुताबिक कल्पना वर्मा का विवाह छिंदवाड़ा निवासी राहुल पिता आशाराम वर्मा के यहां वर्ष 2022 मे सामाजिक रीति रिवाज़ के मुताबिक सम्पन्न हुआ था! विवाह के कुछ ही दिनों बाद से उसके ससुराल वाले कल्पना को दहेज़ के लिए परेशान करने लगे ज़ब कल्पना के माता पिता को दहेज़ को लेकर बात का पता चला तों कल्पना के परिवार वालो ने राहुल उसके परिजनों से बात की एवं सामाजिक समझौता भी कराया गया किन्तु उसके बाद भी 19/04/2023 को राहुल उसके परिजनों ने कल्पना के साथ प्रताड़ना का अंतिम चरण घटित कर दिया! घटना की जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया की कल्पना के ससुराल से फोन आया की आपकी बेटी को चककर आ गया है आप जल्दी आ जाओ ज़ब हम लोग छिंदवाड़ा पहुचे तों हमें अस्पताल बुला लिया गया जहाँ हमने देखा की कल्पना का मृत शरीर वहाँ पड़ा था उसके गले पर रस्सी के निशान थे एवं उसे बेरहमी मारने के कई निशान उसके शरीर पर पाए गए ज़ब हम लोगो ने पता किया तों हमें पता चला की कल्पना के साथ मार पीट कर उसको फांसी लगाया गया है इस बात की सूचना हमने छिंदवाड़ा थाना प्रभारी को दी है ?र दोषियों को कड़ी से कडी सजा की मांग की है!

जय भीम सेना ने रविदास समाज के लोगों के साथ हुई मारपीट का विरोध किया

छिंदवाड़ा । जय भीम सेना सामाजिक संगठन छिंदवाड़ा ने आज महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर ग्राम सतनूर अनुसूचित जाति रविदास समाज के एक ही परिवार के 6 लोगों पर जमीनी विवाद को लेकर 10-12 दबंग गुण्डों के द्वारा जानलेवा हमला कर मारपीट की गयी, जिसमें पीड़ित परिवार को सिर में चोट आयी, रामगणेश माण्डेकर के हाथ, पैर में रॉड मारी गई, पुष्पा मांडेकर की गर्दन पर खरोंच है एवं सध्या मांडेर का हाथ मरोड़ा गया एवं लटठ और हॉकी से हमला किया गया । ऐसे दबंगो पर जॉच कर पीड़ित परिवार को एट्रोसिटी एक्ट के तहत् मामला पंजीबद्ध करने की मांग जय भीम सेना ने की । संगठन प्रमुख शिवम पहाड़े ने आरोप लगाया कि शोषित वंचित समाज को दबाने का काम हो रहा है, और दबंगो को कानून का कोई भय नहीं है, उन्होनें चेतावनी दी है कि उक्त दबंगो पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्यवाही नहीं हुई तो जय भीम सेना उग्र आंदोलन करेगी। श्री पहाड़े ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने इस प्रकरण को संज्ञान में लेकर संबंधित थाना प्रभारी को आरोपियों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने की मांग की है । इस अवसर पर जयभीम सेना अध्यक्ष शिवम पहाड़े, गनपत यदुवंशी, मोहरू पटेल, पीड़ित परिवार के अखिलेश माण्डेकर, रामगणेश माण्डेकर, पुष्पा मांडेकर, संध्या माण्डेकर, रोशनी माण्डेकर एवं संगठन के किशोर वंशकार, मदन बरखाने, पप्पू मण्डराह, बंटी मण्डराह, सागर परतेती, पारस बंशकार, संदेश बघेल, राकेश तेकाम, संजय बॉक्सर, गोलू डेहरिया, गणेश मोहबे, संतोष सोनेकर, संध्या बिंझाड़े, अखिलेश मांडेकर, रामभरोष माण्डेकर, चन्द्रभान माण्डेकर, चैनसुख टांडेकर आदि उपस्थित थे ।

अवैध कालोनी में रहने वाले शहर वासियों को मिलेगी मौलिक सुविधाएं

परासिया । शहर के अंदर सभी अवैध कालोनाइजर को चेतावनी दी गई कि उनके द्वारा जो कालोनियां बनाई गई है उसमें मौलिक सुविधाएं रोड नाली बिजली पानी की उचित व्यवस्था नहीं है सभी को नगर पालिका परासिया की तरफ से नोटिस जारी किया जा रहा है और साथ ही सभी अवैध कालोनियों को चिन्हित करके उनका डीपीआर तैयार किया जा रहा है और नगर पालिका के द्वारा उन कालोनियों में निर्माण कार्य कराए जाएंगे जिससे कि वहां निवासरत लोगों को सारी मौलिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके और उन कालोनियों के निर्माण में जो राशि खर्च होगी वह राशि की वसूली उन कालोनाइजर से वसूल की जाएगी और अगर कोई कॉलोनाइजर इसमें आनाकानी या हिला वाली करता है तो उसके खिलाफ एफ आई आर दर्ज की जाएगी एवं कानूनी कार्यवाही की जाएगी।और लोक निर्माण विभाग के सभापति पवन सूर्यवंशी ने अवैध कालोनियों में निवासरत सभी को यह विश्वास दिलाया की सभी को उनकी कॉलोनी में रोड नाली बिजली पानी साफ सफाई एवं जो भी व्यवस्थाएं कॉलोनी के अंदर होनी चाहिए वह सभी व्यवस्थाएं नगर पालिका परासिया के द्वारा उन कालोनियों में उपलब्ध कराई जाएगी ताकि किसी भी नागरिक को असुविधा का सामना ना करना पड़े ।और कॉलोनाइजर पर कानूनी कार्यवाही करने का विश्वास दिलाया। साथ ही सभी कालोनियों को व्यवस्थित करके उन्हें वैध कॉलोनी घोषित किया जाएगा।

सतपुड़ा विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया सुप्रीम कोर्ट और संसद भवन दिल्ली का भ्रमण

छिंदवाड़ा । सतपुड़ा विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा के प्राचार्य श्री वेद प्रकाश तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाविद्यालय के 45 विद्यार्थियों के दल ने सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली और संसद भवन का भ्रमण किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिवर्ष अनुसार महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों का दल विधि का व्यवाहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिये सुप्रीम कोर्ट भ्रमण हेतु जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 45 विद्यार्थियों का दल कॉलेज के सहायक प्राध्यापकगण श्री जयेन्द्र नारायण भारद्वाज, आनन्द बाजपेयी, श्री श्रवण बन्देवार, अखिलेश पाण्डे के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में दिनाँक 13/4/2023 को छिन्दवाड़ा से रवाना हुआ जिनमें विधि के छात्र-छात्राएँ एवं शिक्षकगण भी शामिल हुए। चूंकि, विधि (Law) के विद्यार्थी होने के कारण सर्वप्रथम सुप्रीम कोर्ट भ्रमण तथा कोर्ट में संचालित गतिविधियों की रूबरू जानकारी लेना आवश्यक समझा गया। साथ ही जिला बैतूल के माननीय सांसद डी0डी0 उइके एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा छिन्दवाड़ा के जिला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा के विशेष सहयोग से विधि के विद्यार्थियों के दल ने हमारे देश की संसद (लोकसभा एवं राज्यसभा) का भ्रमण किया एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रपति भवन संग्रहालय का भी भ्रमण कराया गया तथा व्यवहारिक पक्ष से अवगत कराया गया।

आईपीएल सट्टा पर पुलिस का छापा, एक आरोपी गिरफ्तार

करीब 4 लाख 70 हजार रूपये कीमती की सामग्री जप्त

छिंदवाड़ा । जिला छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा श्री विनायक वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव कुमार उइके द्वारा आईपीएल मैच पर लग रहे ऑनलाइन सट्टे पर कार्यवाही हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा था जो उक्त निर्देशों को गंभीरता से लेते हुए नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमन मिश्रा ने थाना प्रभारी कोतवाली सुमेर सिंह जगेत के नेतृत्व मे एक टीम गठित की जो टीम ने वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशों को अभियान के रूप मे लेकर मुखबिर तंत्र विकसित किया और जानकारी एकत्रित करने पर दिनांक 19 अप्रैल 2023 को जरिए मुखबिर के सूचना प्राप्त हुई की सिद्धि विनायक काम्प्लेक्स चन्दनगांव के पास एक व्यक्ति हौंडा सिटी कार मे बैठकर मोबाइल के माध्यम से आईपीएल मैच पर अंको के माध्यम से हार जीत का दाव लगाकर सट्टा खिला रहा है मुखबिर सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा कर एक टीम गठित कर उक्त स्थान पर रेड करने पर होंडा सिटी कार क्रमांक रू॥ 43 छ्व 5174 मे बैठकर मोबाइल के माध्यम से आईपीएल के मैच पर जीत हार का दाव लगाकर सट्टा खिलाते मिलाजिसका नाम पूछने पर अनुनय पिता रामता प्रसाद विश्कर्मा 24 साल निवासी लोधीखेड़ा बताया उसके पास तलाशी पर दो मोबाइल, दस हजार रूपये नगद एवं होंडा सिटी कार क्रमांक एमएच43जे5174 कुल कीमती 4 लाख 70 हजार रूपये की सामग्री सट्टा खिललाने मे प्रयुक्त पाई जाने पर जप्त की गई आरोपी अनुन्य विश्कर्मा को गिरफ्तार कर धारा 4 क सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई आरोपी के आईपीएल सट्टे से जुड़े अन्य साथियो के नाम भी आये है जिन पर विवेचना के दौरान वैधानिक कार्यवाही की जायेगी

ईको क्लब के बच्चो ने रंगों से उकेरी भावनाएं

विश्व वसुंधरा दिवस के परिप्रेक्ष्य में हुआ आयोजन

छिंदवाड़ा । विश्व वसुंधरा दिवस के परिप्रेक्ष्य में फर्स्ट स्टेप स्कूल छिंदवाड़ा के ईको क्लब के विद्यार्थियों ने केनवास पर धरती को बचाने के लिए रंगो से उकेरी भावनाएं । संस्था की डायरेक्टर श्रीमती मंजू प्रदीप साव के निर्देश एवम पर्यावरण नियोजन समन्वय संगठन भोपाल के एन जी सी प्रभारी मनोहर पाटिल,दिलीप चक्रवर्ती,जिला एन जी सी के नोडल अधिकारी विनोद तिवारी, स्कूल ईको क्लब प्रभारी अनिमेष दुबे के कुशल मार्गदर्शन में गुरुवार को स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता और जागरूकता अभियान का आरंभ किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके पूर्व आयोजित जागरूकता अभियान में श्रीमती साव ने विद्यार्थियों को पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने का आह्वान किया । प्राचार्य श्रीमति रुचि अमित साव ने धरती को बचाने के लिए सामूहिक योगदान करने के बात कही । कार्यक्रम की शुरुआत में अनय अग्रवाल, वेद दीक्षित, रोहन राय, शिवांश श्रीवास्तव ने सुंदर गीत के द्वारा प्रकृति के महत्व को बताया। आयुष अयोधी, अविका शर्मा ने धरती पर बढ़ रहे खतरे और धरती को सरंक्षित करने के उपायों की जानकारी दी। कक्षा 9 वी की छात्राओं इनारा चौहान,शुभांगी सिंग,सानिया मित्रा ने सुंदर पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से धरती के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक अनिमेष दुबे ने बताया कि शुक्रवार को मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई है।

श्री भक्तामर विधान की हुई मंगलमय पूर्णता

आज निकलेगा श्रीजी का चल समारोह , मनेगा गुरुदेवश्री का उपकार दिवस

छिन्दवाड़ा । धर्म नगरी सिंगोड़ी में चल रहे श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनालय के 7 वें वार्षिक महोत्सव के द्वितीय दिवस पर श्री भक्तामर विधान की पूर्णता बाल ब्रह्मचारी श्रेणीकजी जैन जबलपुर एवं पं. ऋषभकुमारजी शास्त्री छिन्दवाड़ा के कुशल मार्गदर्शन में की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावकगणों ने 48 काव्यों के माध्यम से तीर्थंकर भगवंतों का गुणगान कर धर्माराधना की। मंगल प्रवचनों में बा. ब्र. श्रेणीकजी जैन कहा कि महान पुण्योदय से सच्चे देव - शास्त्र - गुरु भगवंतों का समागम प्राप्त होता है अत: जीवन का एक एक क्षण उनकी आराधना करते हुए आत्म कल्याण की भावना भाना चाहिए। आयोजन में प्रयोजन की मुख्यता रखकर अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए आत्मा से परमात्मा बनने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। पण्डित चितरंजन जैन ने बड़ी ही सरल शैली में गुरु महाराज के ग्रँथराज मालारोहण के आधार पर निज शुद्धात्मा की महिमा बताई। रात्रि कालीन प्रवचनों में सकल समाज ने पण्डित सुबोधजी जैन सिवनी एवं पण्डित अनुभवजी शास्त्री करेली के श्रीमुख से माँ जिनवाणी का रसास्वादन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का मिला लाभ

इस अवसर पर महिला मण्डल एवं बालिका मण्डल द्वारा सुंदर सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित श्रावक सभा का आयोजन कर जिनशासन की मंगल प्रभावना की गई। जिसमें नाटक दिवान अमरचंद की सुंदर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। जिसका कुशल संचालन गुंजा जैन इंदौर एवं दीपकराज जैन छिन्दवाड़ा द्वारा किया गया।

आज निकलेगा श्रीजी का भव्य चल समारोह

ट्रस्ट अध्यक्ष इंद्रकुमार जैन के साथ मन्नूलाल जैन एवं शिखरचंद जैन ने बताया कि आज वैशाख सुदी दूज के शुभ दिन प्रात:काल की मंगल बेला पर 6.45 से श्री जिनबिम्ब प्रक्षालन ने महोत्सव का शुभारंभ होगा पश्चात 7 बजे से जिनेन्द्र पूजन, 8 बजे से अतिथि विद्वानों के प्रवचनों के पश्चात 9.30 बजे से श्रीजी का भव्य चल समारोह निकलेगा जो मंगलगान के साथ नगर भ्रमण कर जिनशासन की मंगल प्रभावना करेगा।

आज मनेगा गुरुदेवश्री का उपकार दिवस,

अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि आज वैशाख सुदी दूज के पावन दिवस पर मुमुक्षु मण्डल एवं छिन्दवाड़ा फेडरेशन द्वारा आध्यात्मिक सतपुरुष गुरुदेवश्री कानजी स्वामी का 134 वां उपकार दिवस विविध अनुष्ठानों के साथ मनाया जावेगा।

23 अप्रैल को वंदना लॉन में बाबा साहेब की जन्म जयंती समारोह

कमलनाथ एवं नकुलनाथ आयोजन में होंगे सम्मिलित

छिन्दवाड़ा । संविधान निर्माता भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेड़कर ने समाज में फैली भ्रांतियों को मिटाने के साथ ही छुआछूत की कुरीति को मिटाने का कार्य किया, महिला शिक्षा और महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले बाबा साहेब की जन्म जयंती समारोह का आयोजन किया जावेगा। अनुसूचित जाति समरसता मंच छिन्दवाड़ा के तत्वावधान में भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेड़कर की 132 वीं जयंती भव्य समारोह आयोजित कर मनाई जावेगी। आयोजन में

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ भी सम्मिलित होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ की गरिमामई उपस्थित में आयोजित होने वाले जयंती समारोह को ऐतिहासिक रूप देने हेतु समरसता मंच व कांग्रेस संगठन के समस्त विभाग व प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण की एक बैठक का आयोजन आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में किया गया। अनुसूचित जाति समरसता मंच व कांग्रेस संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने आगामी 23 अप्रैल को परासिया रोड स्थित वंदना लॉन में आयोजित होने वाले बाबा साहेब भीमराव अम्बेड़कर की जयंती समारोह के सफल आयोजन को लेकर चर्चा की साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रात˜ 9 बजे से प्रारंभ होगी, आर्केस्ट्रा व बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति प्रात˜ 10.30 से प्रात˜ 11.15 बजे तक दी जावेगी इसके उपरांत सामाजिक बंधुओं के उदबोधन पश्चात अन्य कार्यक्रम होंगे। आयोजित हुई बैठक में छिन्दवाड़ा विधानसभा प्रभारी सुनील जायसवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष गुरुचरण खरे, कार्यवाहक अध्यक्ष सीताराम डेहरिया, कांग्रेस धर्म उत्सव प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी, हरि नागवंशी, भैयाजी शिवारे सहित प्रकाश मेहरोलिया, महिला जिलाध्यक्ष रानु डेहरिया, जिला अध्यक्ष शहर वंदना नागवंशी, कार्यवाहक अध्यक्ष रोशन इंगले, सोनू गोहरे, सुमित भावरकर, अतुल गजभिये सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

चुनाव से पहले अगस्त में जन आशीर्वाद यात्रा पर निकलेंगे शिवराज

भोपाल। प्रदेश के सभी जिलों में लाड़ली बहना सम्मेलन के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जन आशिर्वाद यात्रा पर निकलेंगे। उनकी यह यात्रा अगस्त माह से शुरू होने की तैयारी है जिसको लेकर प्लानिंग शुरू हो गई है। इसके लिए पिछले चुनावों की तरह जन आशिर्वाद रथ तैयार होगा और पार्टी द्वारा तय कार्यक्रमों के आधार पर सीएम चौहान गांव-गांव पहुंचेंगे और लोगों को सरकार के काम और योजनाओं की जानकारी देंगे।

सीएम चौहान का जन आशिर्वाद रथ निकालने के लिए प्रदेश की कोर कमेटी ने सहमति दे दी है। इसके बाद प्रदेश संगठन के नेताओं ने इसके लिए कवायद शुरू कर पिछली जन आशिर्वाद यात्राओं के रोडमैप की पड़ताल शुरू कर दी है। इस रोडमैप के आधार पर संशोधन के साथ सीएम की आशिर्वाद रथ यात्रा का रूट चार्ट तैयार किया जाएगा। सूत्र बतातें है कि यह रथयात्रा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर समाप्त होगी और इसी दिन राजधानी के जम्बूरी मैदान में कार्यकर्ताओं का महाकुंभ 25 सितम्बर को होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

अन्य केंद्रीय नेताओं को आमंत्रित किए जाने पर सहमति बन चुकी है। रथयात्रा के समापन की तारीख स्पष्ट होने के बाद अब संगठन रथयात्रा शुरू करने के लिए समय और मुहूर्त की जानकारी जुटाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश संगठन के नेताओं की मौजूदगी में यह यात्रा शुरू होगी।

रेल, टेल के साथ रोजगार और विकास की गाथा- जन आशिर्वाद यात्रा के दौरान प्रदेश में रेल सुविधाओं में विस्तार के साथ सड़कों के विस्तार व टेलिकम्यूनिकेशन सेक्टर में आए बदलाव और रोजगार तथा विकास गाथाओं की सूची तैयार कर उसे जनता को बताया जाएगा। इसके लिए सरकार और बीजेपी संगठन 2003 के पहले की स्थितियों को भी आकलित रूप में जनता को बताने का काम करेगा ताकि नई पीढ़ी को दिग्विजय सरकार और कांग्रेस की खामियों से अवगत कराया जा सके। महिलाओं, बच्चों के लिए प्रदेश में संचालित योजनाओं को भी फोकस कर बताया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में पिछले तीन सालों में किए गए बदलाव से भी अवगत कराने की प्लानिंग है।

यात्रा में संगठन कार्यक्रमों पर भी नजर

यात्रा के लिए तैयार किए जाने वाले रोडमैप में संगठनात्मक कार्यक्रमों को भी ध्यान में रखा जाएगा। अब तक संगठन के कार्यक्रमों का जो संभावित रोडमैप तय हुआ है उसके अनुसार 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 100 वां एपीसोड हर बूथ पर 100 कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में सुना जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर सभी वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी होगी। इसके सात ही प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 15 मई से 15 जून तक प्रदेश में कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा।

गुफा मन्दिर में 22 अप्रैल को भगवान परशुराम का विशाल आयोजन, आयेंगे बागेश्वर सरकार

भोपाल। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अक्षय तृतीया के अवसर पर परशुराम जयंती का विशाल आयोजन लालघाटी स्थित गुफा मन्दिर प्रागंण में 22 अप्रैल को होगा। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह के रूप में आयोजित किये जा रहे इस कार्यक्रम में भी बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री व गुफा मन्दिर श्री रामानन्द आश्रम के महंत श्री श्री 1008 रामप्रवेशदास महाराज का विशेष सानिध्य प्राप्त होगा। इस अवसर पर गए शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी शर्मा और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी की गरिमामयी उपस्थित रहेगी 7 उक्त जानकारी भगवान परशुराम प्रकोत्सव समारोह समिति के पूर्व

महापौर आलोक शर्मा, रामबाबू शर्मा ने दी। इस दौरान लालपाटी चौराहा से हजारों की संख्या में महिलाओं द्वारा भव्य फलशयात्रा निकाली जायेगी, इस दौरान शिव भक्त मण्डल उज्जैन के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की जायेंगी, साथ ही मालवा की बैण्ड व ढोल व शहनाई की धुन पर अतिथि स्वागत करते हुए कार्यक्रम स्थल की ओर आगे बढ़ेंगे जहां कार्यक्रम स्थल गुफा मन्दिर प्रागंण में विशाल मंच पर 551 ब्राम्हणों द्वारा स्वास्तिक वाचन, भजन-पूजन, महाआरती के साथ भगवान परशुराम प्रकटोत्स समारोह का भव्य शुभारम्भ होगा । आयोजन समिति के इन सदस्यों ने बताया कि उक्त आयोजन के विशाल गढ़ पर श्री बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज व गुफा मन्दिर के महंत श्री श्री 1008 रामप्रवेशदास महाराज को विराजित करने के लिए विशेष गादी सजाई जायेगी। साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा व पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस दौरान उक्त संतो व अतिथियों का स्वागत होगा साथ ही अतिथि उद्बोधन के उपरांत बागेश्वरधाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को अपना आर्शीवचन देते हुए विशेष रूप से हिन्दू जागरण के लिए प्रेरित करेंगे। भोपाल के सकल समाज को पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी द्वारा रामचरित मानस भेट किया जायेगा।

इंदौर के फुटपाथों और चौराहों पर होर्डिंग लगाने से हाईकोर्ट की रोक

इंदौर। शहर सड़कों, फुटपाथों और चौराहों पर होर्डिंग लगाए जाने को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी गई थी। इसमें कहा गया

था कि निजी कंपनियों को नगर निगम ने होर्डिंग लगाने की अनुमति दी है। इससे यातायात भी बाधित हो रहा है। हाईकोर्ट ने ऐसे सभी स्थानों पर होर्डिंग लगाने से रोक लगा दी। फुटपाथ और चौराहों पर हाल में लगे होर्डिंगों का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। कोर्ट ने भी इसे गलत माना और एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सड़क, फुटपाथ, चौराहों जैसी जगहों पर भविष्य में होर्डिंग लगाने पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने कलेक्टर और निगम आयुक्त को नोटिस जारी कर पूछा है कि आखिर उन्होंने ऐसी जगहों पर होर्डिंग लगाने की अनुमति कैसे दी गई।

दिग्विजय पहुंचे पटवा के घर, फूलकुंवर बोलीं - दुबले हो गए, दिग्विजय ने कहा वैसा ही हूं...

भोपाल। मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह एक्टिव हो गए हैं। दिग्विजय सिंह का फोकस उन विधानसभा सीटों पर है जहां कांग्रेस लगातार 3 बार से चुनाव हार रही है। इसी कड़ी में दिग्विजय सिंह मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री सुरेन्द्र पटवा के आवास पर पहुंचे।

बता दें कि सुरेन्द्र पटवा, मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम और जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे सुंदरलाल पटवा के भतीजे हैं। दिग्विजय सिंह ने यहां सुंदरलाल पटवा की पत्नी से पैर छूकर आशीर्वाद लिए और उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान वो बीजेपी विधायक सुरेंद्र पटवा के घर पहुंचे। जहां पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत सुंदरलाल पटवा के चित्र पर माल्यार्पण किया. साथ ही उन्होंने स्वर्गीय पटवा की धर्मपत्नी फुल कुवरबाई पटवा से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हंसी मजाक में दिग्विजय सिंह से कहा कि आप तो बहुत पतले हो गए हैं, जिसके बाद दिग्विजय सिंह खिलखिला कर हंसे और कहा जैसा मैं पहले था वैसा ही हूं. बता दें मध्य प्रदेश के अंदर राजनेताओं के आपसी संबंध को लेकर अक्सर कई तरह की बातें कही जाती हैं, लेकिन इसी के बीच इस तरह के दृश्य मध्य प्रदेश की राजनीतिक समरसता को प्रदर्शित भी करते हैं. बीते कुछ दशकों में राजनीतिक गिरावट अवश्य आयी है, लेकिन आज भी राजनीतिक मूल्य जीवित हैं. इसका उदाहरण पटवा निवास पर देखने को मिला इस जानकारी को बीजेपी विधायक सुरेंद्र पटवा ने अपने ट्विटर हैंडल और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जनता के साथ शेयर भी किया है।

सड़कों की गुणवत्ता की होगी अब खुफिया जांच, रेंडम सेम्पल, कोडिंग कर भेजेंगे लैब

भोपाल। प्रदेश में लोक निर्माण विभाग की सड़कों की गुणवत्ता की अब खुफिया जांच की जाएगी। रेंडम सैम्पल लिए जाएंगे। सेम्पल को कोडिंग कर लैब में जांच करने के लिए भेजा जाएगा। लैब में जांच के परिणाम को डिकोड कर देखा जा सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में सेम्पल लेने से लेकर लैब की जांच पूरी होंने तक न तो किसी को सड़क बनाने वाले ठेकेदार का नाम पता चलेगा न मानीटरिंग करने वाले अफसर का नाम पता होगा। सीधे परिणाम आने पर खुलासा होगा और सड़क का घटिया निर्माण निकला तो संबंधित ठेकेदार से लेकर जिम्मेदार अफसर तक पर कार्यवाही होगी। लगातार घटिया निर्माण कर रहे ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड भी किया जा सकेगा। लोक निर्माण विभाग ने अब इस नये सिस्टम पर काम शुरु कर दिया है।

प्रदेश की सड़कों की गुणवत्ता परखने के लिए अब रेंडम सेम्पलिंग की जाएगी। इस सेम्पल गोपनीय कोडिंग कर इसे प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा। न ठेकेदार को पता चलेगा न लोक निर्माण विभाग के अफसर को और न प्रयोगशाला के अमले को पता होगा कि वे किस स्थान की, किस ठेकेदार की सड़क की जांच कर रहे है। जो रिपोर्ट आएगी उसके आधार पर गुणवत्ताविहीन सड़क बना रहे ठेकेदारों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्हें ब्लैकलिस्टेड किया जाएगा और उनकी सुरक्षा निधि राजसात करने की कार्यवाही भी की जाएगी।

लोक निर्माण विभाग में अफसरों, ठेकेदार और लैब अमले की साठगांठ से घटिया निर्माण के सेम्पल अक्सर अच्छे निकलने और सभी को बचाने के आरोप लगते रहते है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस तक भी यह शिकायतें पहुंची थी। इसके बाद उन्होंने प्रदेश की सड़कों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए रेंडम सेम्पलिंग और एनोनिमस टेस्टिंग व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने प्रचलित डब्ल्यू एमएस आईटी सिस्टम में ही अलग से सॉफ्टवेयर इंटरफेस तैयार किया है।

प्रदेश सरकार ने पिछले 5 साल में 29281 सरकारी स्कूल बंद कर दिए, गरीब बच्चे पढ़ने कहां जाएंगे: दिग्विजय सिंह

शुजालपुर/सुसनेर। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इन दिनों मालवांचल के विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर हैं। सीहोर, आष्टा विधानसभा क्षेत्र के दौरे के बाद वे शाजापुर जिले के शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे जहां उन्होंने सबसे पहले पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा देश में पिछले 9 सालों में बड़े उद्योगपतियों का 12 लाख करोड़ ? का कर्जा माफ हुआ, लेकिन किसानों का एक चवन्नी कर्जा माफ नहीं हुआ। पूर्व सीएम ने कहा कि 2008 में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने अपने घोषणा पत्र में ?50000 ऋण माफ करने की बात की थी लेकिन शिवराज सरकार ने किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार

आई और जो वादा राहुल जी ने किया था वह वादा कमलनाथ जी ने सबसे पहले निभाकर कर्जा माफ करने का काम किया। हमारा वादा एक लाख, डेढ़ लाख एवं दो लाख तक के कर्जा माफ करने का था जिसमें हमने 1 लाख ? तक के कर्ज माफ कर दिए थे। भाजपा ने जब आरोप लगाए तो हमने शिवराज सिंह चौहान के गांव जैत के उनके परिवार जनों के जो कर्जा माफ हुए थे वह भी आंकड़े हमने दे दिए। उन्होंने कहा भाजपा से बड़ी झूठी पार्टी शिवराज सिंह और नरेंद्र मोदी से बड़ा कोई झूठा देश में आपको नहीं मिलेगा। पूर्व सीएम ने कहा कि कुछ भ्रष्ट कांग्रेसी विधायक बिक गए, कहा, फिर दोहराता हूं गरीब कांग्रेस के विधायक नहीं गए, कौन गया? बड़े जमीदार, राजा-महाराजा लोग बिक गए। ना दलित विधायक बिका और न आदिवासी विधायक बिके।

पूर्व मुख्यमंत्री ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी निशाने पर लेते हुए सवाल पूछा कि आप हमसे नाराज होकर गए थे कि वादे पूरे नहीं हो रहे हैं। आज जब आप भाजपा में चले गए, मंत्री भी बन गए अब आप कर्ज माफी की बातें क्यों नहीं करते? आज आप अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की बातें क्यों नहीं करते? आपने कहा था मैं सड़कों पर उतर जाऊंगा ! उतारिए न सड़कों पर, अब क्यों नहीं उतरते? क्या अतिथि शिक्षकों की भर्ती हो गई? क्या किसानों का कर्जा माफ हो गया? सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च करके भाजपा ने सरकार बदली तो फैसला क्या लिया, ऋण माफी बंद कर दी, 1? प्रति यूनिट बिजली के बिल की योजना बंद कर दी।

आज वोहरा समाज की ईद मनाई जा रही है। इस मौके पर ईद की विशेष नमाज अता की गई। लोग एक-दूसरे से गले मिले और ईद की मुबारकबाद दी।

गुलमोहर मैरिज गार्डन में हुआ विशेष रोज़ा अफ्तार कार्यक्रम

भोपाल। गुलमोहर मैरिज गार्डन में हुसैन परिवार द्वारा आज एक भव्य रोज़ा अफतार का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में शहर की जानी मानी हस्तियों ने शिरकत की। रोज़ा अफतार का आयोजन विशेष रूप से सैय्यद आदिल हुसैन के बेटे सैय्यद आसिल हुसैन की रोज़ा खुशाई तथा बेटी आयशा हुसैन की बिसमिल्लाह रस्म के लिये आयोजित किया गया था। इस मौके पर संचालक गुलमोहर मैरिज गार्डन श्री सैय्यद मुस्तुफा हुसैन ने मेहमानों का इस्तक़बाल किया। रोज़ा अफतार के इस विशेष आयोजन में प्रमुख रूप से शामिल होने वालों में से पूर्व सूचना आयुक्त जस्टिस के.डी. खान, पूर्व मुख्य वन संरक्षक मोहम्मद हाशिम, रिलायसं के वरिष्ठ अधिकारी, फरहान अंसारी, रिलायबल के सी.ओ. मोहम्मद ताहिर, हुसैन शेल्टर आर्किटेक्ट, पूर्व संयुक्त संचालक जनसंपर्क तथा जन सूचना सलाहकार रेरा सैय्यद ताहिर अली, दैनिक बलवास टाईम्स भोपाल के प्रधान संपादक सैय्यद आसिम अली, पूर्व सहायक आयुक्त एक्साईज़ सैय्यद अबरार हुसैन सहित शहर की नामचीन शख्सियतें विशेष रूप से शामिल हुए।

नर्मदा नदी में बोट के सहारे अवैध शराब परिवहन, पांच लाख की शराब जप्त

बड़वानी। नर्मदा नदी में बोट के सहारे अवैध शराब की तस्करी करने वाले कारोबारियों पर पाटी पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 2 लोगों को दबोचा है जिनसे कुल 141 अवैध इंग्लिश शराब जिसमे बियर भी शामिल है जिसकी कुल कीमत 5 लाख से अधिक है।

एसडीओपी रूपरेखा यादव ने बताया कि ये लोग नर्मदा नदी में बोट के सहारे शराब व्यवसाय को अंजाम दे रहे थे। ये लोग बड़वानी से सस्ती शराब लेकर महाराष्ट्र में बेचते थे और वहाँ से जो शराब यहाँ के मुकाबले सस्ती मिलती उसे यहाँ लाकर बेचते थे। शराब परिवहन की बात करें तो ये लोग वाहन में शराब भर कर नर्मदा नदी में बोट के माध्यम से शराब का परिवहन कर उसे महाराष्ट्र में भेजते थे जिसमें पुलिस ने सफलता हासिल करते हुए 2 लोगों को हिरासत में लेकर उनकी निशानदेही पर बोट से शराब जप्त की है।

एसडीओपी के अनुसार एक बोट में ये लोग शराब का संग्रह कर दूसरी बोट से उसका परिवहन करते थे। एसडीओपी के अनुसार पुलिस ने जहाँ 2 लोगों को गिरफ्तार किया वहीं 4 लोग फरार है जिनमें छतरसिंह निवासी महाराष्ट्र व नरेंद्र पिता हरजी मुकाती निवासी सजवानी मुख्य आरोपी हैं। बता दें कि नरेंद्र मुकाती एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान से जुड़ा होकर उसके लिए काम कर रहा था।

प्रमुख सचिव आबकारी ने हेरिटेज शराब की तारीफ में किसे घटिया शराब कहा

धार। प्रदेश की प्रमुख सचिव (आबकारी) दीपाली रस्तोगी ने आज हेरिटेज शराब के प्रमोशन को लेकर वीसी (वीडियो कांफ्रेंसिंग) की। इस मीटिंग में कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ और आबकारी आयुक्त सहित प्रदेश के सभी आबकारी अधिकारी भी उपस्थित हुए। इस वीसी में प्रमुख सचिव ने कुछ ऐसा कह दिया जो चर्चा का विषय बन गया। प्रमुख सचिव ने हेरिटेज लिकर की तारीफ के पुल बांधे। उन्होंने कहा कि ये सौ रुपए वाली घटिया शराब नहीं एक लग्जरी शराब है। उन्होंने हेरीटेज शराब की तारीफ करते हुए जिस तरह घटिया शराब का उल्लेख किया, उससे ये सवाल उठा कि क्या प्रदेश में वास्तव में घटिया शराब बिक रही है। बता दें कि प्रदेश सरकार ने आदिवासियों की परंपरागत महुआ की शराब को 'हेरिटेज शराब' की तरह बेचना शुरू किया है। प्रमुख सचिव ने अफसरों की मीटिंग में जिस तरह घटिया शराब की तुलना करते हुए महुआ की हेरिटेज शराब को लक्जरी बताया उससे आबकारी अफसर सकते में हैं। क्योंकि, उन्ही की विभाग की प्रमुख सचिव ने यह स्वीकार लिया कि प्रदेश में सौ रुपए वाली घटिया शराब बिक रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदेश में कौनसी घटिया शराब बिक रही है जिसकी कीमत 100 रु है। इस शराब को कौन बेच रहा है और उसे बेचने का लाइसेंस किसने दिया ! यदि वास्तव में बिक रही है, तो उसे रोकने के कोई प्रयास क्यों नहीं किए गए? उल्लेखनीय है कि पश्चिमी मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल जिलों में महुआ से परंपरागत शराब बनाई जाती है, जिसे सरकार ने हेरिटेज शराब के नाम से बेचने का फैसला किया है।

सवाल यह उठता है कि क्या इसी कथित घटिया शराब के कारण ही प्रदेश में गत 2 साल में भारी जनहानि हुई, जिसका प्रमुख सचिव वीडियो कांफ्रेंसिंग में उल्लेख कर रही थी? ये बात प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी सहजता में हेरिटेज शराब की खूबियों बताते हुए कह गईं या फिर उनकी जानकारी में प्रदेश में घटिया शराब बिकने की जानकारी है?